दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

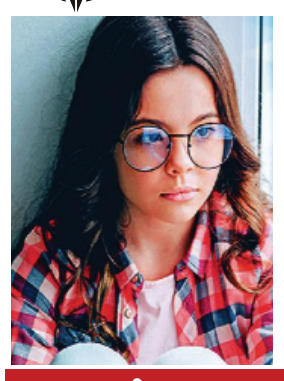

अमन लेखनी

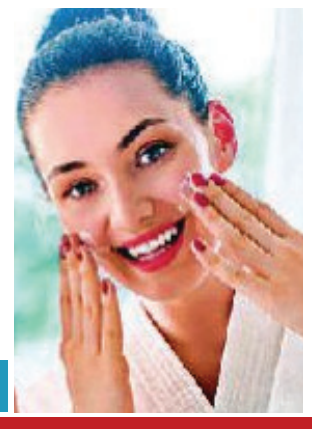

बच्चों की खोती मासूमियत .....

बच्चों की ड्राय स्किन .....

वर्ष : 11 | अंक : 321 | लखनऊ, 12 नवम्बर ,बुधवार 2025 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

पर्यावरण के मामले में भूटान की उपलब्धियों को पीएम मोदी ने सराहा

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिनी भूटान यात्रा पर हैं। उनका भूटान दौरा 11 और 12 नवंबर को है, जिस दौरान वे अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इस यात्रा का मकसद भारत-भूटान के बीच दोस्ती और साझेदारी को मजबूत बनाना है। पीएम मोदी ने खुद अपने भूटान रवाना होने की जानकारी आधिकारिक एक्स अकाउंट से दी। पीएम मोदी की पिछले 11 साल में ये चौथी भूटान यात्रा है, जिससे समझा जा सकता है कि भारत के लिए भूटान से रिश्ते कितने महत्वपूर्ण हैं। पीएम मोदी अपने इस आधिकारिक दौरे में भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक के जन्मदिन समारोह में शामिल होंगे, साथ ही उनके साथ मिलकर 1020 मेगावाट के पुनातसंगचू-2 हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया। पीएम मोदी भूटान को 1000 करोड़ की सहायता राशि भी देने वाले हैं और वे ग्लोबल पीस प्रेयर फेस्टिवल में भी शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहुंचे भूटान, भगवान बुद्ध के अवशेषों के दर्शन किए और हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट का किया उद्घाटन

ब्लास्ट में जान गंवाने वालों के लिए शांति प्रार्थना

विद्युत परियोजना का उद्घाटन

मोदी के स्वागत में बिछाया रेड कारपेट

पीएम मोदी बोले विश्व शांति में विश्वास

प्रधानमंत्री मोदी ने थिम्फू में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि आज का दिन भूटान के लिए, भूटान के राज परिवार के लिए और विश्व शांति में विश्वास रखने वाले सभी लोगों के लिए बहुत अहम है। सदियों से भारत और भूटान का संबंध बहुत ही गहन, आत्मीय और सांस्कृतिक रहा है।

भारत के लिए महत्वपूर्ण है भूटान

हिमालयी देश भूटान भारत के लिए रणनीतिक लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण है। वैसे तो ये छोटा सा देश है, जहां सिर्फ 7.5 लाख लोग रहते हैं लेकिन चूंकि ये भारत और चीन के बीच में है, तो ये बफर जोन का काम करता है। भूटान में चीन का प्रभाव बढ़ा, तो भारत के चिकेन नेक पर खतरा आ सकता है। ऐसे में भारत इसे सुरक्षा कवच की तरह मानता है। साल 2017 में चीन ने भूटान के डोकलाम में सड़क बनाने की कोशिश की थी, जिसे भारत ने अपनी सेनाओं से रोक दिया गया। इतना ही नहीं भूटान यूएन सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सीट का भी समर्थन करता है।

वैश्विक शांति के लिए प्रार्थना

अवशेष सदभावना उपहार

पीएम मोदी ने भूटान की राजधानी थिम्पू में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के दर्शन किए। भारत सरकार ने वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव के लिए इन अवशेषों को भूटान को 'सद्भावना उपहार' के तौर पर भेजा है। यह महोत्सव थिम्पू में 4-19 नवंबर 2025 तक चल रहा है, जो भूटान के चौथे राजा जिग्मे सिंग्ये वांगचुक के 70वें जन्मदिन (11 नवंबर) पर केंद्रित है। इस परियोजना की क्षमता 1,020 मेगावाट है और इसे भारत की तकनीकी और वित्तीय सहायता से तैयार किया गया है। इसका मकसद भूटान को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाना और दोनों देशों के बीच स्वच्छ ऊर्जा सहयोग को और मजबूत करना है। पीएम मोदी मंगलवार को दो दिवसीय दौरे पर भूटान पहुंचे। उन्होंने भूटान के महामहिम चतुर्थ नरेश के 70वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, आज का दिन भूटान के लिए, भूटान के राजपरिवार के लिए और विश्व शांति में विश्वास रखने वाले सभी लोगों के लिए बहुत अहम है। सदियों से भारत और भूटान का बहुत ही गहन आत्मीय और सांस्कृतिक नाता है, इसलिए इस महत्वपूर्ण अवसर पर शामिल होना भारत का और मेरा कमिटमेंट था।

पूरी रात चला विमर्श

आज पूरा देश उनके साथ खड़ा है। पीएम मोदी ने कहा, मैं रात भर इस घटना की जांच में जुटी सभी एजेंसियों के साथ सभी महत्वपूर्ण लोगों के साथ संपर्क में था। विचार विमर्श चलता था। जानकारियों के तार जोड़े जा रहे थे। हमारी एजेंसियां इस षड्यंत्र की तह तक जायेंगी। इसके पीछे के षड्यंत्रकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि भूटान के पूर्व और मौजूदा राजाओं ने सतत विकास और पर्यावरण पहले का विजन आगे बढ़ाया है।

मौसम अधिकतम तापमान 42.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 82,530.74

निफ्टी 25,062.10

खबर संक्षेप

11 साल बाद अवशेषों का अंतिम संस्कार हुआ

तेल अवीव। मध्य इजराइल में हजारों लोग इजराइली सैनिक

लेफ्टिनेंट हैदर गोल्डिन के अंतिम संस्कार में शामिल हुए, जिनका शव 11 वर्षों से गाजा में हमास के कब्जे में था। गोल्डिन के अंतिम संस्कार के दौरान कब्रिस्तान में भारी भीड़ थी और आसपास की सड़कों पर भी लोग इजराइल के राष्ट्रीय ध्वज के साथ मौजूद थे। लेफ्टिनेंट हैदर गोल्डिन का अंतिम संस्कार उनके परिवार के लिए भावुक करने वाला क्षण था, जिन्होंने उनके अवशेषों को घर लाने के लिए एक अभियान चलाया था।

परमाणु हथियारों की कमांड भी संभालेंगे

इस्लामाबाद पाकिस्तान में आसिम मुनीर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से भी ज्यादा ताकतवर होने जा रहे हैं।

उन्हें तीनों सेनाओं का चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) बनाया जा रहा है। यह पद मिलते ही उन्हें परमाणु हथियारों की कमांड मिल जाएगी।

मोची का निधन, राहुल करा रहे थे इलाज

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले में मंगलवार को रामचेत मोची का कैंसर और टीबी

की गंभीर बीमारी के चलते निधन हो गया। पिछले वर्ष कांग्रेस ने वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने उनकी माली हालत देखते हुए न सिर्फ उनकी मदद की थी, बल्कि गंभीर बीमारी की जानकारी होते ही उनका इलाज भी करवाया था।

ब्लास्ट के बाद चौंकाने वाले खुलासे

सुबह दिल्ली में एंट्री, शाम को ब्लास्ट, बदरपुर से लाल किले तक कैसे पहुंची धमाके वाली कार?

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

14 साल बाद दिल्ली एक बार फिर दहल उठी। सोमवार शाम को लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए शक्तिशाली धमाके में अब तक 13 लोगों की मौत हुई है, 24 लोग घायल हैं। राष्ट्रीय राजधानी में जिस तरह से ये ब्लास्ट हुआ उससे हड़कंप मच गया है। दिल्ली पुलिस के साथ-साथ केंद्रीय जांच एजेंसियां हर एंगल से जांच में जुटी हैं। लाल किले के पास कार ब्लास्ट में सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर दिल्ली के इस बेहद भीड़भाड़ वाले इलाके तक कार पहुंची कैसे।

इसे लेकर चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं। जांच एजेंसियों की पड़ताल और सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि ब्लास्ट वाली कार सोमवार सुबह 8 बजे के करीब दिल्ली में एंटर हुई। फिर बदरपुर होते हुए कैसे और कब लाल किले तक पहुंची।इससे पहले पुलिस ने जिस हुंडई आई20 कार में ब्लास्ट हुआ, उसके मालिकाना हक की पूरी चेन का पता लगाया है। ये कई बार कार ट्रांसफर हुई और आखिरकार यह मुख्य संदिग्ध डॉ. उमर मोहम्मद तक पहुंची।

कार को पार्किंग में कौन लाया, एजेंसियां कर रहीं जांच

कार के मालिकाना हक की पूरी चेन आई सामने

सोमवार को हुए धमाके के बाद का दृश्य

दिल्ली में एंट्री के बाद कब-कब नजर आई कार

- सुबह 8:04 बजे: बदरपुर टोल बूथ से दिल्ली में दाखिल हुई कार
- सुबह 8:20 बजे: कार ओखला इंडस्ट्रियल एरिया के पास पेट्रोल पंप पर आई नजर
- दोपहर 3:19 बजे: कार लाल किले से सटे पार्किंग क्षेत्र में दाखिल हुई
- शाम 6:22 बजे: लाल किले से सटे पार्किंग क्षेत्र से बाहर निकली कार
- शाम 6:52 बजे: लाल किले के पास कार में हुआ ब्लास्ट

रोते बिलखते परिजन, अपनों को खोने का दर्द

दिल्ली ब्लास्ट में उजड़ गई इन 5 परिवारों की जिंदगियां

दिल्ली के लाल किला के पास हुए विस्फोट में मारे गए लोगों के परिवारों में कोहराम मचा है। मंगलवार को दिल्ली के लोक नायक अस्पताल की मोर्चरी से शवों को बाहर निकाला गया तो मृतकों के परिजन बिलख पड़े। इस दौरान अपनों को देखकर परिजन फूट-फूटकर रोए। लाल किला धमाके में मारे गए मृतक अमर कटारिया की मां और पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। अमर कटारिया दिल्ली के श्रीनिवासपुरी के रहने वाले थे। लोक नायक अस्पताल के शवगृह में विस्फोट में मारे गए पंकज के शव की शिनाख्त कराई गई। इसके बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया। इस धमाके में 5 परिवारों के उजड़ने की खबर है।

व्हाइट कॉलर आतंकी नेटवर्क का खतरनाक खेल

हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और उत्तर प्रदेश में सुरक्षा एजेंसियों की कार्रवाई में व्हाइट कॉलर आतंकी मॉड्यूल की खतरनाक साजिश का खुलासा हुआ है। यह आतंकी नेटवर्क लोगों को भड़काने, समन्वय करने, पैसा हस्तांतरित करने और लॉजिस्टिक्स के लिए कोड भाषा का इस्तेमाल कर रहा था। यह पैसा पेशेवर और शैक्षणिक नेटवर्क के जरिये सामाजिक/धर्मार्थ कामों की आड़ में जुटाया जा रहा था। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बताया कि इस नेटवर्क में कट्टरपंथी पेशेवर और छात्र शामिल हैं।

हुंडई आई-20 कार शुरू में मोहम्मद सलमान के पास थी

धमाके में इस्तेमाल की गई हुंडई आई-20 कार फरीदाबाद के सेक्टर-37 स्थित एक सेकंड-हैंड कार डीलर से खरीदी गई थी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, हुंडई आई-20 कार शुरू में मोहम्मद सलमान के पास थी, जिसे सोमवार रात गिरफ्तार किया गया था। इस कार को पहले नदीम को बेचा गया, फिर फरीदाबाद के एक सेकेंड-हैंड कार डीलर को। बाद में यह गाड़ी आमिर ने खरीदी, उसके बाद तारिक ने, जिस पर भी फरीदाबाद आतंकी मॉड्यूल से जुड़े होने का संदेह है। इसके बाद मोहम्मद उमर ने इसे खरीद लिया था। जांच एजेंसियां आमिर और तारिक दोनों के बारे में और पुख्ता जानकारी जुटा रही है। इस कार ब्लास्ट को लेकर यूएपीए की धारा 16 और 18 के साथ-साथ विस्फोटक अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। आसपास के अन्य सीसीटीवी की बारीकी से जांच की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कार को पार्किंग क्षेत्र में कौन लाया, कार में कौन आया या बाहर निकला और बाद में उसे कौन चलाकर ले गया।

सीडीएस चौहान ने कहा

जंग में कोई उप-विजेता नहीं होता, सिर्फ जीत ही सबकुछ

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को कहा कि युद्ध में केवल एक बात महत्वपूर्ण होती है। वो होती है सिर्फ जीत। इसके बजाय कोई उप-विजेता (सिल्वर मेडल) यानी द्वितीय पुरस्कार या किसी किस्म का कोई सांत्वना पुरस्कार इसमें नहीं होता है। जंग के साथ हालांकि राष्ट्रों

का भविष्य और अस्तित्व दोनों जुड़े हुए होते हैं। यह जानकारी सीडीएस ने दिल्ली कार धमाके के अगले दिन मंगलवार को एमपी-इडसा नामक थिंक टैंक में आयोजित किए गए एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दी है। जिसमें उन्होंने वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से यह अपील भी की कि वो आधुनिक तकनीक को आत्मसात करें और अपने विरोधियों से हमेशा एक कदम आगे बने रहें। क्योंकि यह तकनीक ही जीत की कुंजी का कार्य करेगी।

तकनीक से पिछड़ गई रणनीति

सीडीएस ने ये भी कहा कि सैन्य कमांडर हर दौर और युग में रणनीति के जरिए ही अपने विरोधियों को धूल चटाने की कोशिश करते रहते हैं। युद्ध और उसमें मिलने वाली सफलता भी कहीं न कहीं इसी रणनीति पर निर्भर करती है। पूर्व में सैन्य रणनीति के केंद्र में संबंधित इलाके का भूगोल रहता था। लेकिन वर्तमान में ऐसा नहीं है। आज तकनीक ने रणनीति और भूगोल दोनों को पछाड़ दिया है। प्राचीन समय में पूरे का पूरा युद्ध कमांडरों की बेहतर रणनीति और युद्धकौशल की मदद से जीत लिया जाता था। लेकिन आज के युग में ड्रोन, साइबर युद्ध, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अंतरिक्ष से जुड़ी हुई तकनीकों ने युद्ध के परिदृश्य को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है। जिसकी वजह से जंग तकनीक पर निर्भर हो गई है। प्राचीन और मध्यकाल के दौर में भूगोल यानी इलाके की अच्छी जानकारी को लेकर बनाई गई रणनीति ही युद्धों, अभियानों व संघर्षों में जीत का मार्ग प्रशस्त कर देती थी।

मजबूत सिस्टम से मिली सफलता

वहीं, उप-वायुसेनाप्रमुख एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि अगर भारत का एकीकृत एयर कमांड एंड कंट्रोल (आईएसीसीएस) अच्छा और मजबूत नहीं होता तो हमें उतनी सफलता नहीं मिलती। जितनी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अब मिली है। इस सैन्य अभियान ने साफ तौर पर प्रदर्शित किया है कि कैसे एक शानदार और असरदार अभियान को अंजाम दिया जाता है। उन्होंने कहा कि बीते दो दशक में हमारा ये नेटवर्क सिस्टम काफी विकसित हुआ है। जिसकी मदद से अब न केवल जरूरत पड़ने पर दुश्मन को करारा जवाब दिया जा सकता है। बल्कि देश में निगरानी का कार्य भी आसानी से किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

अवैध ढाबों पर खड़ी गाड़ियां भी बनीं हादसे की बड़ी वजह

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान और तेलंगाना में बीते दिनों हुए सड़क हादसों का खुद से संज्ञान लिया। कोर्ट ने इस दौरान हाइवे के किनारे अवैध ढाबों पर भी चिंता जताई। कहा कि इन ढाबों पर आने वालों की गाड़ियां हाइवे पर खड़ी रहती हैं, जिनसे हादसे होते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से सड़क किनारे मौजूद ढाबों और सड़क मेंटेनेंस की स्थिति पर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। जस्टिस जेके महेश्वरी और जस्टिस विजय विश्नोई की बेंच ने कहा कि 2 सप्ताह के भीतर

सुप्रीम कोर्ट

एक सर्वे करें जिससे यह पता चल सके कि कितने ढाबे राजमार्गों के किनारे सुविधाओं के लिए अधिसूचित नहीं हैं।

कुछ दिन पहले हुई फलोदी और तेलंगाना की दुर्घटनाओं में 18 और 19 मौतें हुई। टोल वसूली होने के बावजूद खराब सड़क स्थिति और गैर-नोटिफाई स्थानों पर ढाबों की मौजूदगी इन हादसों का कारण बताई गई।

मौसम विभाग ने 5 राज्यों में शीतलहर की चेतावनी दी

यूपी,चंडीगढ़ समेत राज्यों में कड़ाके की सर्दी पड़ेगी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

देश में बारिश के खत्म होते ही अब ठंड ने लोगों की मुसीबतें बढ़ानी शुरू कर दी हैं। मौसम विभाग ने 5 राज्यों के लिए भीषण शीत लहर का अलर्ट जारी किया है। बच्चों और बुजुर्गों को इस दौरान सावधान रहने के लिए कहा गया है। वहीं, दक्षिणी राज्यों में बारिश की चेतावनी जारी की गई है। तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी और ओडिशा में मध्यम से भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इस बारिश के चलते तापमान में गिरावट आ सकती है।

तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी और ओडिशा में बारिश की संभावना

बच्चों और बुजुर्गों को सलाह दी

दक्षिणी राज्यों में भी सर्दी और बारिश का होगा असर

भारतीय मौसम विभाग

पूर्वी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ भी चपेट में

पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों पर 12 नवंबर के दौरान भीषण शीत लहर का अलर्ट जारी किया गया है। हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर 12 नवंबर के दौरान शीत लहर की चेतावनी जारी की गई है। पूर्वी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 12 से 14 नवंबर के दौरान शीत लहर का अलर्ट जारी किया गया है।

तमिलनाडु, पुडुचेरी व केरल में पारा4-5 तक गिरेगा

देश के दक्षिणी राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इन राज्यों में तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल शामिल हैं। समुद्र किनारे रहने वाले मछुआरों को अलर्ट रहने के लिए कहा गया है। वहीं इस बारिश के चलते इन राज्यों में तापमान में 4 से 5 डिग्री तक कमी आ सकती है।

उत्तराखंड भी रहेगा ठंड की चपेट में

उत्तर प्रदेश में 12 नवंबर से सुबह और शाम के समय 17 से 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी जिससे तापमान में और गिरावट देखी जा सकती है। लखनऊ में 12 नवंबर को अधिकतम तापमान जहां 28 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है तो वहीं न्यूनतम तापमान गिरकर 13 डिग्री सेल्सियस पर आ सकता है। ग्रामीण इलाकों में सुबह के समय ठंड का ज्यादा एहसास होगा। उत्तराखंड में 12 नवंबर को कुछ इलाकों में बर्फीली हवा चल सकती है। न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ सकता है। नैनीताल, रुद्र प्रयाग में ठंड में बढ़ोतरी देखी जा सकती है।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद सहारनपुर से लेकर नेपाल बॉर्डर तक सुरक्षा एजेंसियों ने की छापेमारी

संदिग्ध लोगों पर कड़ी नजर

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। दिल्ली में धमाके के बाद पुलिस व जांच एजेंसियों ने सहारनपुर से लेकर नेपाल सीमा तक अपनी सतर्कता बढ़ाई है। नेपाल सीमा से सटे जिलों में भी संदिग्धों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। आशंका है कि प्रदेश में सक्रिय रहे संदिग्ध आतंकी नेपाल भागने का प्रयास कर सकते हैं। कई अन्य जिलों में भी संदिग्धों को लेकर छानबीन की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) की टीमों ने सहारनपुर में कई संदिग्धों से पूछताछ की है। सहारनपुर से पकड़े गए जम्मू-कश्मीर निवासी डॉ. आदिल के संपर्क में रहे कुछ युवकों की तलाश भी की जा रही है। प्रदेश के सभी संवेदनशील क्षेत्रों में मंगलवार को भी पुलिस की सक्रियता रही। वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में चेकिंग कराई जा रही है। खासकर भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में

संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। संवेदनशील जिलों में शरारती तत्वों की निगरानी का भी निर्देश है। ताकि कहीं कोई माहौल बिगाड़ने का प्रयास न कर सके। डीजीपी स्थित सोशल मीडिया सेल इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म की भी निरंतर निगरानी कर रहा है।

लखनऊ सहित यूपी के पांच जिलों में छह रियल एस्टेट परियोजनाओं पर मुहर, 864 करोड़ का होगा निवेश

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) ने लखनऊ सहित पांच जिलों बरेली, कानपुर नगर, नोएडा और वाराणसी में छह नई रियल एस्टेट परियोजनाओं को स्वीकृति दिया है। इनमें 863.94 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है। योजनाओं के तहत 1470 वाणिज्यिक और आवासीय यूनिट्स विकसित होंगी। इन परियोजनाओं को प्रदेश के पांच जिलों मंजूरी दी गई है।

प्राधिकरण की 188वीं बैठक मुख्यालय में यूपी रेरा के अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी की अध्यक्षता में हुई। वरिष्ठ अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों ने प्रदेश में रियल एस्टेट क्षेत्र को पारदर्शी, संतुलित और निवेश अनुकूल बनाने की दिशा में फिर कदम बढ़ाया है। जरी-जरदोजी और फर्नीचर उद्योग के लिए प्रसिद्ध बरेली में दो परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं, जबकि औद्योगिक केंद्र कानपुर नगर में एक परियोजना को मंजूरी मिली है। इसके अतिरिक्त नोएडा, लखनऊ और धार्मिक व सांस्कृतिक नगरी वाराणसी में एक-एक परियोजना को स्वीकृति मिली है।

इनमें अधिकांश योजनाएं आवासीय हैं, जबकि व्यावसायिक परियोजनाएं लखनऊ और नोएडा की स्वीकृत हुई हैं। इन योजनाओं में प्रदेश में रियल एस्टेट विकास के संतुलित फैलाव, विभिन्न क्षेत्रों में निवेशकों की बढ़ती रुचि दिखती है। नई परियोजनाओं के लागू होने से आवासीय और व्यावसायिक ढांचे को मजबूती मिलेगी, स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों में बढ़ोतरी होगी। निर्माण क्षेत्र में बड़ी संख्या में श्रमिकों और पेशेवरों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर मिलेंगे। इन निवेशों से सीमेंट, स्टील, टाइल्स, विद्युत उपकरण, पेंट, फर्नीचर, परिवहन व वित्तीय सेवाओं जैसे सहायक उद्योगों को भी बल मिलेगा। इससे राज्य की अर्थव्यवस्था में सकारात्मक गति आएगी और प्रदेश की जीडीपी वृद्धि दर को प्रोत्साहन मिलेगा। रियल एस्टेट क्षेत्र का छोटे और मध्यम शहरों में भी विस्तार हो रहा है। यूपी रेरा के अध्यक्ष भूसरेड्डी ने कहा बैठक में स्वीकृत परियोजनाएं यह दशार्ती हैं कि प्रदेश का रियल एस्टेट क्षेत्र संतुलित और सतत विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। 864 करोड़ का निवेश न केवल निर्माण उद्योग को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था और रोजगार को नई ऊंचाइयां देगा।

उतरेटिया बाजार में चोरी, तांबा-पीतल का सामान ले गए चोर

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। पीजीआई थाना क्षेत्र के उतरथिया बाजार में चोरों ने एक दुकान का ताला तोड़कर कीमती सामान चोरी कर लिया। घटना की जानकारी सुबह दुकान मालिक के पहुंचने पर हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना कर जांच शुरू कर दी है। आलमबाग थाना क्षेत्र के श्रृंगार नगर निवासी शिव शंकर गुप्ता ने बताया कि उनकी उतरथिया बाजार में मान्या जनरल एंड गिफ्ट कॉर्नर के नाम से दुकान है। सोमवार रात वह रोज की तरह दुकान बंद कर घर चले गए थे। मंगलवार सुबह पहुंचे तो दुकान का ताला टूटा मिला। जांच करने पर पता चला कि चोर तांबा और पीतल का सारा सामान चोरी कर ले गए हैं। सूचना पर पीजीआई पुलिस ने मौके पर पहुंचकर फिंगरप्रिंट व अन्य साक्ष्य जुटाए और अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर में धूमधाम से मनाया गया संत श्री शिरोमणि दास जी महाराज स्मृति महोत्सव

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मलिहाबाद स्थित श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर में मंगलवार को प्रणामी संप्रदाय के अष्टम पीढ़ी के संत श्री श्री 108 शिरोमणि दास जी महाराज का स्मृति महोत्सव श्रद्धा एवं भक्ति के माहौल में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में सबद कीर्तन, सत्संग एवं भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। महंत श्री बृह्मज्योति महाराज की अगुवाई में हुए कार्यक्रम की शुरूआत विधि-विधान से पूजन-अर्चन के साथ हुई। पूरे दिन भक्तिमय वातावरण में भजन-कीर्तन गूंजते रहे। श्रद्धालुओं ने संत श्री की स्मृति में प्रसाद ग्रहण कर आशीर्वाद लिया। मंदिर के व्यवस्थापक प्रवीण अवस्थी प्रधान ने बताया कि संत श्री शिरोमणि दास जी महाराज की स्मृति में प्रतिवर्ष यह महोत्सव बड़े हर्षोल्लास से मनाया जाता है। देर शाम तक सत्संग और भंडारे का क्रम निरंतर चलता रहा, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए।

यूपी में बिजली बिल बकाएदारों को बड़ी राहत देगी योगी सरकार

एक दिसंबर से इन लोगों को मिलेगी 25 प्रतिशत की छूट

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। नेवर पेड (कभी बिजली बिल नहीं जमा करने वाले उपभोक्ता) और लांग अनपेड (लंबे समय से बिल नहीं देने वाले उपभोक्ताओं) को सरकार बड़ी राहत देने जा रही है। एक दिसंबर से बिजली बिल राहत योजना शुरू की जाएगी। जिसमें ऐसे उपभोक्ता यदि एक बार में पूरा बकाया जमा करते हैं तो उन्हें बकाए पर ब्याज (सरचार्ज) में 100 प्रतिशत छूट के साथ ही मूलधन में भी 25 प्रतिशत की छूट मिलेगी। योजना के तहत यह छूट तीन चरणों में दी जाएगी। प्रथम चरण (एक से 31 दिसंबर 2025 तक है) में पंजीकरण कराने पर मूलधन में 25 प्रतिशत, द्वितीय चरण (एक से 31 जनवरी 2026 तक) में पंजीकरण कराने पर 20 प्रतिशत तथा तृतीय चरण (एक से 28 फरवरी 2026 तक) में पंजीकरण कराने में 15 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। यह योजना दो किलोवाट तक के घरेलू उपभोक्ताओं और एक किलोवाट तक के वाणिज्यिक उपभोक्ताओं पर लागू होगी। बिजली चोरी से संबंधित प्रकरणों में राजस्व निर्धारण धनराशि पर भी छूट देने का प्रविधान किया गया है। इससे उन उपभोक्ताओं को भी राहत मिलेगी जो तकनीकी अथवा मीटर संबंधी त्रुटियों के कारण बिजली चोरी के विवादों में फंसे हुए हैं। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने उपभोक्ताओं से अपील है कि वे योजना के प्रथम चरण में ही भाग लें। गरीब और मध्यमवर्गीय बिजली उपभोक्ताओं के लिए लाई गई इस योजना में बकाए का भुगतान मासिक किस्तों में करने की सुविधा भी दी गई है। योजना अवधि में ओवर बिलिंग व अंडर बिलिंग वाले उपभोक्ताओं के बिलों का भी संशोधन किया जाएगा। उपभोक्ता विभागीय वेबसाइट के साथ ही संबंधित खंड/उपखंड कार्यालय, जन सेवा केंद्र के साथ ही विभागीय कैश काउंटर से पंजीकरण कर सकते हैं। योजना के तहत बिजली चोरी के प्रकरणों में शामिल उपभोक्ताओं को राजस्व निर्धारण में छूट प्राप्त करने के लिए पंजीकरण कराना होगा।

सेवा सुरक्षा को लेकर विधानभवन का घेराव करेंगे शिक्षक, संघ के राज्य स्तरीय अधिवेशन का समापन आज

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) के प्रांतीय अधिवेशन के दूसरे दिन शिक्षकों ने सेवा सुरक्षा, पुरानी पेंशन बहाली और अशासकीय विद्यालयों के राजकीयकरण की मांग दोहराई। अधिवेशन में यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया कि यदि सरकार ने शिक्षकों की प्रमुख मांगों पर ठोस कदम नहीं उठाया, तो संगठन विधानसभा के शीतकालीन सत्र में प्रदेशव्यापी आंदोलन के साथ विधानभवन का घेराव करेगा। रामधीन इंटर कालेज परिसर में आयोजित अधिवेशन में मुख्य अतिथि राज्य सूचना आयुक्त पीएन द्विवेदी ने शिक्षकों से अपील की कि वे शिक्षा और समाज के उत्थान के लिए सूचना के अधिकार (आरटीआइ) का जिम्मेदारी से उपयोग करें। प्रदेश संरक्षक गुमान सिंह ने कहा कि शिक्षकों की मांगों पर सरकार केवल आश्वासन दे रही है, लेकिन अमल में सुस्ती दिख रही है। प्रदेश अध्यक्ष सोहन लाल वर्मा ने कहा कि जिलाध्यक्षों द्वारा उठाई गई सभी समस्याओं का समाधान शासन स्तर पर कराया जाएगा। संरक्षक डा. हरिप्रकाश यादव ने कहा कि संगठन सेवा सुरक्षा, पुरानी पेंशन और राजकीयकरण की बहाली को लेकर पूरी तरह संकल्पित है। बहुत जल्द इस दिशा में बड़ा आंदोलन देखने को मिलेगा। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. विनीत वर्मा ने राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका विषय पर कहा कि शिक्षकों पर सक्षम और जागरूक नागरिक तैयार करने की जिम्मेदारी है, जिससे एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव हो सके। अधिवेशन में शिक्षकों की समस्याओं को लेकर 25 सूत्रीय मांगपत्र तैयार कर मुख्यमंत्री को भेजा गया। इसमें सेवा सुरक्षा बहाली, राजकीयकरण, स्वास्थ्य बीमा, स्थानांतरण प्रक्रिया में पारदर्शिता, एरियर भुगतान में सरलता और वेतन-भत्तों में एकरूपता जैसी प्रमुख मांगें शामिल है। इस मौके पर गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व उपाध्यक्ष और पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा के संयोजक महेंद्र राय को संगठन का प्रदेश मंत्री नियुक्त किया गया। बुधवार को अधिवेशन का समापन होगा। इस मौके पर प्रदेश कार्यकारिणी के बिजेंद्र कुमार, सुरेंद्र प्रताप सिंह, सुधाकर ज्ञानार्थी, उपेंद्र वर्मा, संत राम बौद्ध, प्रमोद कुमार पाठक, संदीप शुक्ल, पंकज सिंह, विजय जायसवाल, ध्रुव नारायण चौधरी, दीपक सिंह, प्रमोद श्रीवास्तव सहित अन्य पदाधिकारी रहे।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में सब्जी विक्रेता की मौत

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मलिहाबाद क्षेत्र में हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। सब्जी बेचकर घर लौट रहे अजय गौतम की दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में मौत हो गई। हादसे के बाद गांव में मातम छा गया, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम हिम्मत खेड़ा निवासी अजय गौतम (19) सोमवार शाम करीब सात बजे मधवापुर पावर हाउस के पास लगने वाली साप्ताहिक बाजार में सब्जी बेचकर अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान हिम्मत खेड़ा गांव के पूर्व माध्यमिक विद्यालय के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अजय कई मीटर दूर जाकर सड़क पर गिर पड़ा और उसके सिर में गंभीर चोटें आ गईं।

राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों और परिजनों ने घायल अजय को आनन-फानन ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक अजय फाइल – फोटो

मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही शव घर पहुंचा, परिवार में चीख-पुकार मच गई। गांव का माहौल गमगीन हो गया। शाम को परिजनों ने अजय का अंतिम संस्कार कर दिया। बताया जा रहा है कि मृतक अजय अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था। उसके पिता कल्लू, मां मिथिलेश और तीन बहनें काजल, अंजली व अंजू का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के लोगों ने बताया कि अजय मेहनती और शांत स्वभाव का युवक था, जो रोजी-रोटी के लिए बाजार में सब्जी बेचता था। उसकी अचानक मौत से पूरा गांव स्तब्ध है।

भगवान बुद्ध कथा एवं भंडारे में दिया गया सत्य और सदाचार का संदेश

सतगुरु रामकिशोर ने कहा झ सत्य पर चलने वाला कभी जीवन में हार नहीं मानता

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मलिहाबाद क्षेत्र के ग्राम रामनगर में मंगलवार को भगवान बुद्ध कथा एवं भंडारे का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उन्नाव जनपद के सत्य साहिब मुंशी दास धाम से पधारे सतगुरु रामकिशोर पहुंचे। उन्होंने भगवान बुद्ध एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

सतगुरु रामकिशोर ने अपने प्रवचन में कहा कि मनुष्य का जीवन कमल के फूल के समान है, जो कीचड़ में रहकर भी सुंदरता और पवित्रता से खिलता है। उन्होंने कहा कि जीवन कर्म के अनुसार चलता है, और सत्य के मार्ग पर चलना कठिन अवश्य है, परंतु जो व्यक्ति सत्य का अनुसरण करता है, वह कभी जीवन में पराजित नहीं होता।

उन्होंने पंचशील के सिद्धांतों का पालन करने का आह्वान करते हुए कहा कि किसी से झूठ न बोलें, चोरी या रिश्वतखोरी से बचें, पशु हिंसा न करें और जरूरतमंदों की मदद करें। उन्होंने यह भी कहा कि मनुष्य को प्रतिदिन स्नान के बाद जीव-जंतुओं के लिए अन्न दान करना चाहिए और समाज में भाईचारा बनाए रखना चाहिए, जिससे प्रेम और शांति कायम रहे।

कथा के समापन पर भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर भालचंद्र साहब, मनोज साहब, बबलू साहब, योगेंद्र साहब सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

खाद का भंडारण न करें किसान, यूपी में कृषि मंत्री की अपील

उर्वरकों की कमी न होने देने का आश्वासन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रदेश में खाद के लिए मच रही मारामारी के बीच कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने किसानों से आवश्यकता के अनुसार ही उर्वरक लेने की अपील की है। मंत्री ने किसानों से कहा है कि वे आगामी फसलों के लिए अत्यधिक भंडारण न करें, ताकि सभी किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सके। सरकार पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता कराने के लिए संकल्पित है और किसी भी जिले में कमी की स्थिति नहीं आने दी जाएगी। मांग के अनुसार प्रतिदिन आठ से 10 रैक की आपूर्ति की जा रही है। मंगलवार को विधानसभा स्थित नवीन भवन में आयोजित विभागीय बैठक में कृषि मंत्री ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 12.68 लाख टन यूरिया, 3.87 लाख टन डीएपी, 4.11 लाख टन एनपीके, 2.74 लाख टन एसएसपी एवं 0.85 लाख टन एमओपी बिक्री के लिए उपलब्ध है। प्रदेश सरकार निरंतर भारत सरकार के संपर्क में रहकर उर्वरकों की आपूर्ति को सुचारू बनाए हुए है। बैठक में बताया गया कि चालू रबी सीजन में अब तक 99.88 लाख किसान 4.17 लाख टन यूरिया, 5.63 लाख टन डीएपी, 3.26 लाख टन एनपीके, 1.26 लाख टन एसएसपी एवं 0.65 लाख टन एमओपी उर्वरक ले चुके हैं। इसमें एक से 10 नवंबर के बीच 1.82 लाख टन यूरिया, 1.93 लाख टन डीएपी और 1.19 लाख टन एनपीके की बिक्री हुई है। केवल सहकारी समितियों के माध्यम से 49,513 टन यूरिया, 94,423 टन डीएपी और 38,317 टन एनपीके किसानों द्वारा क्रय किया गया है। वर्तमान में प्रतिदिन औसतन 18,370 टन यूरिया, 20,406 टन डीएपी एवं 15,240 टन एनपीके की खपत की जा रही है। बैठक में कृषि निदेशक डा. पंकज त्रिपाठी, संयुक्त कृषि निदेशक (उर्वरक) डा. आशुतोष कुमार मिश्र आदि उपस्थित रहे।

श्रीमद् भागवत कथा में झूमे श्रद्धालु, भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का हुआ वर्णन

अमन लेखनी समाचार

कथा का रसपान कराते – आचार्य

लखनऊ। रहीमाबाद क्षेत्र के तिलन गांव में चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा में अयोध्या धाम से पधारे आचार्य प्रेमचंद जी महाराज अपने मधुर वाणी में भगवान श्रीकृष्ण की अद्भुत एवं मनोहारी बाल-लीलाओं का ऐसा वर्णन कर रहे हैं कि श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे हैं। कथा के दौरान माखन चोरी, पूतना वध, यमलार्जुन मोचन, गोवर्धन लीला जैसी लीलाओं का अत्यंत रोचक व आध्यात्मिक वर्णन प्रस्तुत किया जा रहा है। संगीतमय भजन-कीर्तन के बीच चल रही यह कथा पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण का संचार कर रही है। भक्तों की भारी भीड़ प्रतिदिन कथा स्थल पर एकत्र होकर कथामृत का रसपान कर रही है। आयोजन की व्यवस्था श्री हरीराम सिंह के नेतृत्व में की जा रही है। यह कथा पांच दिनों से निरंतर चल रही है, जिसका विधिवत समापन 13 नवंबर को किया जाएगा। समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर सांस्कृतिक गौरव संस्थान जिलाध्यक्ष संतोष सिंह (तिलन), अरविंद सिंह, रामचंद्र सिंह, श्रीराम सिंह, दामिनी, सौरभ सिंह, गौरव सिंह, राजन सिंह, समर्थ सिंह सहित क्षेत्र के अनेक भक्तजन उपस्थित रहकर आध्यात्मिक आनंद में सराबोर दिखाई दिए।

लखनऊ में पट्रोल टंकी के बाहर बाइक सवार युवकों ने फोड़ा सुतली बम

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। कठौता चौराहे पर स्थित पेट्रोल टंकी के बाहर कुछ युवकों में विवाद हो गया। इतने में एक युवक ने सुतली बम निकाला और पेट्रोल बम के बाहर ही फोड़ दिया। इससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने युवकों को दौड़ाया, तो सब फरार हो गए। उनमें से एक युवक को लोगों ने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है। गोमतीनगर के वास्तुखंड निवासी भागवत प्रसाद मिश्रा ने बताया कि निजी काम से कठौता चौराहे पर आए थे। परिचित से बातचीत कर रहे थे। तभी देखा कि कुछ युवकों में विवाद हो गया। गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। जबतक कोई समझ पाता, उनमें से एक युवक ने हथगोला निकाला और अन्य युवकों पर हमला कर दिया। इससे सभी लोग इधर-उधर भागने लगे। पुलिस को सूचना देने के साथ ही स्थानीय लोगों ने युवकों को पकड़ना चाहा तो बाइक छोड़कर भागने लगे। उनमें से एक युवक को लोगों ने पकड़ लिया और पुलिस को सिपुर्द कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दो बाइक जब्त की और युवक को पकड़कर पूछताछ की जा रही है। इंस्पेक्टर विभूतिखंड अमर सिंह ने बताया कि पेट्रोल पंप के सीसी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जल्द अन्य लोगों की गिरफ्तारी की जाएगी।

चुनाव आयोग ने 13 जिलों में कम गणना प्रपत्र बंटने पर जताई नाराजगी, डीएम को काम में तेजी लाने के निर्देश

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) अभियान के तहत अब तक प्रदेश में कुल 15.44 करोड़ मतदाताओं में से 9.38 करोड़ को गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं। यानी अब तक 61 प्रतिशत मतदाताओं को गणना प्रपत्र मिल चुके हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने 50 प्रतिशत से कम गणना प्रपत्र वितरित करने वाले 13 जिलों कानपुर नगर, मुरादाबाद, महोबा, कानपुर देहात, आगरा, उन्नाव, जौनपुर, लखनऊ, अमरोहा, वाराणसी, मीरजापुर, देवरिया व रायबरेली के अधिकारियों पर नाराजगी जताई है। उन्होंने इन जिलों के डीएम को वितरण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी जिलों को गणना प्रपत्र वितरण की बूथवार समीक्षा करते हुए 15 नवंबर तक गणना प्रपत्र शतप्रतिशत वितरित कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि गणना प्रपत्र वितरण के समय बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा मतदाताओं को गणना प्रपत्र भरने में मार्ग-दर्शन प्रदान किया जाए। इस संबंध में सभी बीएलओ को प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाए। मंगलवार की समीक्षा में यह भी पाया गया कि सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा राजनीतिक दलों के साथ बैठक कर उन्हें एसआइआर की प्रक्रिया और आयोग के निदेशों की जानकारी दे दी गई है। रिवाण ने सभी बीएलाओ को अपने मोबाइल फोन में बीएलओ एप का एडवांस वर्जन 8.73 प्ले स्टोर से डाउनलोड करने के लिए कहा गया है। जिन मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किया जा रहा है उनको बीएलओ एप पर दर्ज जरूर करते रहें।

कोई भी मतदाता पोर्टल पर जाकर अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर के माध्यम से अपना मतदाता पहचान पत्र संख्या डालकर गणना प्रपत्र आनलाइन भी भर सकते हैं। सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि एसआइआर के दौरान किसी भी स्तर पर कार्य में लापरवाही करने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

यूपी को मिला 'बिजनेस रिफार्म एक्शन प्लान अवार्ड'

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की बैठक में नन्दी ने किया प्राप्त

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। राज्य में व्यवसाय केंद्रित सुधार के लिए उत्तर प्रदेश को 'बिजनेस रिफार्म एक्शन प्लान अवार्ड-2024' प्रदान किया गया है। दिल्ली में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा आयोजित उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार बैठक में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी को यह अवार्ड प्रदान किया। उत्तर प्रदेश को इससे पहले वर्ष 2022 में ईज आफ डूइंग बिजनेस (कारोबार में सुगमता) के क्षेत्र में टाप अचीवर्स अवार्ड के अलावा वर्ष 2022, 2023 एवं 2024 में लाजिस्टिक रैंकिंग में अचीवर्स के रूप में भी प्रदान किया जा चुका है। मंगलवार को सुषमा स्वराज भवन नई दिल्ली में आयोजित उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार बैठक में नन्दी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों के दौरान पूरी दुनिया ने भारत की चमक और धमक को महसूस किया है। यही कारण है कि बड़े पैमाने पर वैश्विक निवेश आकर्षित हुआ है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल द्वारा राज्य सरकारों से संवाद और समन्वय की पहल ने देश की अर्थव्यवस्था में राज्यों के योगदान को विस्तार प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 30 से अधिक नीतियों को लागू किया गया है। निवेश मित्र जैसी सिंगल विंडो प्रणाली, जिलों में उद्यमी मित्रों की तैनाती की गई है।

संक्षेप

तेज रफ्तार वैन ने सायकिल सवार युवक को मारी टक्कर, हुई मौत

उन्नाव। दही थाना क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान अचलगंज थाना क्षेत्र के सिंघा खेड़ा गांव निवासी 32 वर्षीय राम कुमार पुत्र स्वर्गीय लुकई के रूप में हुई है। इस घटना के बाद मृतक के परिवार में मातम छा गया है। जानकारी के अनुसार, राम कुमार अपने गांव से किसी आवश्यक कार्य के लिए साइकिल से जा रहे थे। दही थाना क्षेत्र के अंतर्गत सामने से आ रही एक तेज रफ्तार वैन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि राम कुमार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने घायल राम कुमार को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वैन चालक तेज गति से वाहन चला रहा था और साइकिल सवार को देखकर नियंत्रण नहीं रख पाया। हादसे के बाद वैन चालक अपना वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर दही थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और दुर्घटनाग्रस्त वैन को जब्त कर लिया है। राम कुमार खेती-किसानी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। वह चार भाइयों में सबसे छोटे थे और घर की अधिकांश जिम्मेदारियां उन्हीं पर थीं। उनकी असामयिक मृत्यु से परिवार गहरे सदमे में है और पूरे गांव में शोक की लहर है। दही थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जब्त किए गए वाहन के चालक की तलाश जारी है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार को मारी टक्कर, दो घायल

सुमेरपुर, उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र के बिहार भगवंतनगर मार्ग पर खरही रामपुर पुल के पास मंगलवार सुबह बाइक में पीछे से डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे बाइक चला रहे अमरेंद्र कुमार पुत्र शिव बालक तथा पीछे बैठे रोहित कुमार पुत्र सुरजनाथ निवासी ग्राम छेदा खेड़ा साराय मनिहार जो चचेरे भाई थे गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों का जिला चिकित्सालय में इलाज चल रहा है। छेदाखेड़ा सराय मनिहार निवासी शिवेंद्र ने पुलिस को सूचना देकर बताया कि उसका भाई अमरेंद्र अपने चचेरे भाई रोहित कुमार के साथ मंगलवार सुबह 7 बजे बाइक से कानपुर जा रहे थे बिहार भगवंत नगर मार्ग पर खरही रामपुर पुल के पास भगवंत नगर की ओर से आ रहे डंपर ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी।जिससे बाइक सवार घायल हो गए सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने घायलों को सुमेरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसकी चिंताजनक स्थिति देख जिला चिकित्सालय भेजा दिया है। घटना कर भाग रहे ट्रक व उसके चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। थाना अध्यक्ष राहुल सिंह ने बताया जांच के बाद कार्यवाई की जाएगी।

डीएम की अध्यक्षता में पड़ाव अड्डों नीलामी व यातायात प्रबंधन को लेकर हुई बैठक

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में नगरीय निकायों के पड़ाव अड्डों की नीलामी और यातायात प्रबंधन पर एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। कलेक्ट्रेट स्थित पन्नालाल सभागार में आयोजित इस बैठक में जिलाधिकारी ने नगर निकायों में लगातार बढ़ते ट्रैफिक जाम और सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाने के लिए ठोस कदम उठाने के सख्त निर्देश दिए। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने कहा कि जनपद के सभी संचालित और चिन्हित पड़ाव अड्डों को बुनियादी सुविधाओं से लैस किया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि पानी, शौचालय, शेड, सूचना बोर्ड और संचालनकर्ता की व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित की जाए, ताकि यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। डीएम ने सभी नगर निकायों को अपने-अपने क्षेत्र में पड़ाव अड्डों के सुचारु संचालन की जिम्मेदारी लेने और आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जिन स्थानों पर यातायात प्रबंधन के लिए पुलिस बल की आवश्यकता है, वहां स्थानीय क्षेत्राधिकारियों से समन्वय स्थापित कर पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से अचलगंज, कुरसठ, सफीपुर, मोहान और गंगाघाट के पड़ाव अड्डों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में बुनियादी व्यवस्थाएं पहले से तैयार हैं, इसलिए पुलिस प्रशासन के सहयोग से इन अड्डों का संचालन तत्काल शुरू किया जाए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी नगर निकायों को यह भी निर्देशित किया कि शुल्क की वसूली केवल निर्धारित पड़ाव अड्डों से की जाए और यात्रियों को पर्ची देकर ही शुल्क लिया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी अन्य स्थान से शुल्क वसूला गया या नियमों की अवहेलना की गई, तो संबंधित अधिशासी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। डीएम गौरांग राठी ने जोर दिया कि सुचारु यातायात व्यवस्था केवल नगर निकायों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि यह जनहित से जुड़ा एक महत्वपूर्ण विषय है। उन्होंने कहा कि अराजक पार्किंग, अवैध स्टैंड और अनियंत्रित वाहन संचालन शहर की छवि को खराब करते हैं, इसलिए सभी विभागों को मिलकर इस दिशा में प्रभावी सुधार करना चाहिए। बैठक में एडीएम अमिताभ यादव, नगर मजिस्ट्रेट राजीव राज, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद उन्नाव एस. के. गौतम उपस्थित रहे।

दो दिवसीय धनुष लीला का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव।कस्बे के मोहल्ला पश्चिम टोला में मां आनंदेश्वरी मंदिर परिसर में दो दिवसीय सीता स्वंयवर महोत्सव सम्पन्न।अंतिम दिन कलाकारों के प्रदर्शन को सभी ने सराहा रावण बाणासुर संवाद सुन श्रोताओं ने खूब तालियां बजाई मगर माहौल उस समय निराशाजनक हो गया जब जनक ने अजगव का खंडन न होने से पृथ्वी को वीर विहीन कह कर वीरों को अपमानित किया।लक्ष्मण क्रोधित हुए और राम ने गुरु आज्ञा पाकर धनुष को दो खंडों में विभाजित कर दिया। बाबा लिखते हैं वर्षों चले मैथिली अधिवेशन में देश देशांतर के राजा आए सभी ने मिथिला नरेश के प्रण को पूरा करने का प्रयास भी किया मगर अजगव टस से मस नहीं हुआ।बाबा लिखते हैं निराश जनक ने पृथ्वी को वीर विहीन मही कहा तो लक्ष्मण का क्रोध बढ़ गया।विश्वामित्र समय शुभ जानी,गुरु की आज्ञा पाकर राम ने धनुष को उठाया,चढ़ाया बाबा लिखते है लेत चढ़ावत खईचत गाढ़े कोऊ न लखा देख सब ठाढ़े धनुष टूटा नभ से पुष्प वर्षा हुए राम सीता का पाणिग्रहण संस्कार सम्पन्न हो गया। उल्लेखनीय है कि धनुष टूटने की खबर पाकर भार्गव परशुराम मिथिला पहुंचे उन्होंने घोषणा की सो बिलगाई बिहाई समाजा ,मुनावर का क्रोध देख लक्ष्मण ने उन्हें संभाला तार्किक संवाद हुआ अंत में परशुराम की यह कहते हुए परीक्षा की राम रमापति कर धन लेहू राम ने एक ही बार में धनुष की प्रत्यंचा चढ़ा दी वीर रस प्रधान दिवसीय आयोजन में नगर सहित इलाके के तमाम लोगों ने धनुष लीला का आनंद लिया।आयोजक हेमू श्रीवास्तव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सभी सहयोगियों को बधाई दी कहा कि सामाजिक कार्य सभी के सहयोग से होते हैं राम की लीला कराना सौभाग्य की बात है आयोजन में प्रमुख रूप से नगर अध्यक्ष रेनू गुप्ता,पूर्व नगर अध्यक्ष पति योगेंद्र द्विवेदी,समाजसेवी रज्जन यादव,आकाश यादव,आदि मौजूद रहे।

लखनऊ आगरा एक्सप्रेसवे पर मिला अज्ञात महिला का शव

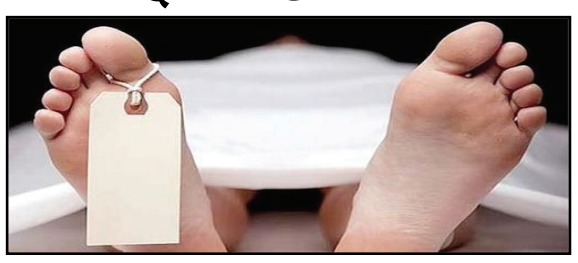

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। लखनऊ आगरा एक्सप्रेसवे पर कोरोरा गांव के पास मंगलवार सुबह 3 बजे 55 वर्षीय महिला का शव पड़ा देख यूपीडा कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी, घटना स्थल पर हसनगंज पुलिस ने पहुंच कर आस पास गांव में फोटो दिखाकर शव की पहचान कराई लेकिन देर शाम तक महिला की पहचान नहीं हो सकी, महिला के दोनों पैर टूट गए साथ ही कई घाव के निशान है कोतवाल शरद कुमार ने बताया कि महिला मानसिक विक्षिप्त लग रही है अभी पहचान नहीं हुई है, पहचान कराने के लिए कई सोशल मीडिया के ग्रुपों में फोटो शेयर कर पहचान कराई जा रही है।शव को पीएम भेजा गया पहचान के बाद पीएम कराया जाएगा। सहायक सुरक्षा अधिकारी आर के चंदेल ने बताया की 80 वाली लेन में था जहां पर शव मिला है वहां पर कैमरा नहीं लगा था इसलिए इसकी कोई जानकारी नहीं हो पा रही है कि कौन कैसे आई वह महिला।

दिल्ली के लाल किले क्षेत्र में हुए धमाके के बाद जिला प्रशासन अलर्ट

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। दिल्ली में लाल किला क्षेत्र में हुए धमाके के बाद पूरे उत्तर प्रदेश में सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। इसी क्रम में उन्नाव जिले में भी पुलिस-प्रशासन ने अलर्ट जारी कर दिया है। रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। मंगलवार सुबह से ही क्षेत्राधिकारी (सीओ) के नेतृत्व में रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में गहन जांच अभियान शुरू किया गया। जानकारी के अनुसार, गंगाघाट, उन्नाव और बीघापुर रेलवे स्टेशनों पर पुलिस टीमों ने पैसेंजर से लेकर एक्सप्रेस ट्रेनों तक सघन तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान यात्रियों के सामान की जांच की गई और संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ भी की गई। पुलिस ने स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, टिकट काउंटर और प्रतीक्षालयों में भी सुरक्षा जांच की। सीओ बीघापुर मधुपनाथ मिश्रा ने अधिकारियों को सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। रेलवे कर्मियों और यात्रियों से भी अपील की गई है कि कोई भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति दिखने पर तत्काल सूचना दें। गंगाघाट स्टेशन पर जीआरपी (राजकीय रेलवे पुलिस) और आरपीएफ (रेलवे सुरक्षा बल) की संयुक्त टीम ने प्रत्येक डिब्बे की तलाशी ली। पुलिस ने रेलवे ट्रैक और प्लेटफॉर्म पर भी डॉग स्क्वायड की मदद से चेकिंग की। वहीं, उन्नाव जंक्शन पर यात्रियों को लगातार माइक से सतर्क रहने और किसी भी अनजान वस्तु को न छूने की हिदायत दी जा रही है। लिस अधीक्षक (एसपी) जय प्रकाश सिंह के निर्देशन में यह अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि दिल्ली की घटना के बाद पूरे जिले में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जा रही है। सभी थाना प्रभारियों को बस स्टैंड, धार्मिक स्थलों और बाजारों में भी निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। स्टेशन पर तैनात सुरक्षा बलों ने बताया कि अलर्ट के मद्देनजर 24 घंटे की निगरानी बढ़ा दी गई है। देर रात तक पुलिस की टीमें रेलवे ट्रैक, पार्किंग क्षेत्र और पुलों पर गश्त करती रहीं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभी तक किसी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति के मिलने की सूचना नहीं है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह मुस्तैद हैं।

सीओ ने कोतवाली परिसर का अर्धवार्षिक किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। क्षेत्राधिकारी सोनम सिंह ने सफीपुर कोतवाली का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया कार्यालय, सीसीटीएनएस कक्ष, महिला हेल्प डेस्क और भोजनालय सहित सभी शाखाओं की गहन जांच की उन्होंने अभिलेखों और लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए स्वच्छता, अनुशासन और समयबद्ध कार्य करने के अधीनस्थों को दिए महिला संबंधी प्रकरणों पर त्वरित कार्रवाई और फरियादियों के साथ शालीन व्यवहार की हिदायत दी पुलिस उपाधीक्षक ने साफ-सफाई व्यवस्था पर संतोष जताया और आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए निरीक्षण के दौरान कोतवाली प्रभारी सुब्रत नारायण त्रिपाठी हेड कांस्टेबल सरोज श्रीवास्तव व अमित प्रकाश ,सभी विवेचक दरोगा मौजूद रहे

यातायात व्यवस्था को लेकर डीएम ने मार्ग पर पैदल किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी गौरांग राठी ने सोमवार शाम को अंबेडकर चौराहे से कचहरी पुल तक पैदल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मार्ग पर बने अस्थायी अवरोधों, अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग की समस्याओं का बारीकी से जायजा लिया और मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि उन्नाव शहर में ट्रैफिक जाम एक बड़ी समस्या बन चुका है, जिसके समाधान के लिए प्रशासन गंभीरता से कार्य कर रहा है। उन्होंने दुपहिया और चारपहिया वाहनों के लिए चिन्हित पार्किंग स्थलों का निरीक्षण करते हुए निर्देश दिए कि पार्किंग व्यवस्था सुव्यवस्थित और स्पष्ट रूप से चिह्नित होनी चाहिए, ताकि सड़क किनारे अवैध पार्किंग से जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। डीएम गौरांग राठी ने कचहरी पुल के नीचे सड़क निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए, जिससे आने-जाने वाले वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग तैयार किया जा सके। उन्होंने ट्रेजरी ऑफिस और दीवानी न्यायालय के किनारे रेलिंग लगाने के आदेश भी दिए, ताकि पैदल चलने वालों की सुरक्षा सुनिश्चित हो और यातायात सुगमता से संचालित हो सके। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया गया कि सड़क किनारे सफाई व्यवस्था, नालियों की मरम्मत और फुटपाथ पर फैले अतिक्रमण को जल्द से जल्द हटाया जाए। जिलाधिकारी ने इस बात पर जोर दिया कि पैदल यात्रियों के लिए समुचित मार्ग बनाया जाए, ताकि उन्हें सड़क पर वाहनों के बीच चलने को मजबूर न होना पड़े। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा, यातायात व्यवस्था सुधारना हमारी प्राथमिकता है। जल्द ही शहर में इसका सकारात्मक असर दिखाई देगा। सभी विभाग मिलकर समन्वय के साथ कार्य करें ताकि उन्नाव शहर को ट्रैफिक जाम से निजात मिल सके।ह उन्होंने यह भी बताया कि प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल की कार्यप्रणाली की समीक्षा की जाएगी और आवश्यकतानुसार नए सिग्नल व संकेत बोर्ड लगाए जाएंगे। पुलिस विभाग को निर्देश दिए गए कि भीड़भाड़ वाले इलाकों में पीक आवर्स के दौरान ट्रैफिक कर्मियों की संख्या बढ़ाई जाए। इस निरीक्षण में नगर पालिका, पुलिस विभाग और ट्रैफिक के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मौके पर ही कार्ययोजना तैयार कर आवश्यक कदम उठाने की बात कही।

नशेबाज युवक ने फांसी लगाकर की आत्म हत्या

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मांखी थाना क्षेत्र में सोमवार की रात मांगलिक कार्यक्रम के दौरान हुई नशे बाजी में युवक ने साडी का फंदा बना कर फासी लगा ली परिजनों ने लटकते देख नीचे उतारा और चकलवंशी स्थिति एक निजी अस्पताल ले गए जहां डाक्टर ने लेने से मना कर दिया जिसके बाद सफीपुर अस्पताल पहुंचे जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही करते हुए शव पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज मंगलवार पीएम के बाद शव मृतक के परिजनों को सौंप दिया गया जिसका परियर घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया गया। महादेवन खेडा गांव निवासी सुजीत पुत्र चिरंजू 21 के चाचा तेजा की बेटी की सोमवार को गोद भराई थी साथ ही चचेरे भाई के बेटे का मुंडन संस्कार था जिसमें नाते रिश्तेदारों के साथ ग्रामीण थे जहां नशे बाजी हुई फिर किसी बात को लेकर सुजीत ने साडी का फंदा बना कर जाल में लटक गया थोड़ी देर बाद परिजनों ने देखा तो नीचे उतारा और निजी अस्पताल ले गए जहां डाक्टर ने हालत देख जिला अस्पताल ले जाने की बात कही जिस पर उसे सफीपुर अस्पताल ले गए जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया इस सम्बंध में थाना प्रभारी योगेश कुमार सिंह ने बताया कि शव पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है मृतक के परिजनों द्वारा किसी तरह का कोई आरोप नही लगाया गया है पीएम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

मृतक दो भाइयों के बीच छोटा था बडा भाई सुशील है दो बहनें सुनैना जिसकी मौत हो चुकी है और छोटी मोनी है मां सुमन बेटे की मौत से आहत है।

दो गांवों में दिखे अजगर ग्रामीणों में मचा हड़कंप

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। विकासखंड नवाबगंज क्षेत्र के दो गांव में अजगर मिलने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने दोनों जगह रेस्क्यू करके अजगरों को पकड़ा और वन क्षेत्र सुरक्षित वन क्षेत्र में उन्हें छोड़ दिया। पहली घटना विकासखंड के चमरौली गांव में पाली मोड की है। जहां सोमवार शाम को मवेशी चरा रहे ग्रामीणों ने एक विशालकाय अजगर को देखा तो हड़कंप मच गया। इसके बाद ग्रामीणों की सूचना पर वन दरोगा अभय सिंह, वनरक्षक जितेंद्र पांडे उपकरणों समेत मौके पर पहुंचे। विभाग की टीम ने आधे घंटे की मशक्कत के बाद करीब 10 फुट लंबा अजगर पकड़ा और उसे सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ दिया।वहीं दूसरी घटना विकासखंड के गांव बाबाखेड़ा मजरा आशाखेड़ा की है। जहां मुन्ना लोधी के घर में सोमवार रात एक अजगर घुस गया। परिजन कमरे में सो रहे थे। हलचल सुनकर खोजबीन करना शुरू किया तो कमरे में तख्त के नीचे एक अजगर दिखाई दिया। जिससे ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। सूचना पर वन दरोगा अभय सिंह, वनरक्षक जितेंद्र पांडे समेत विभागीय टीम पहुंची। उपकरणों के माध्यम से टीम ने एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद करीब आठ फुट ऊंचाई के अजगर को पकड़ा और सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ दिया।वन दरोगा अभय सिंह ने बताया दो जगह अजगर होने की सूचना पर पहुंचकर दोनों अजगरों को सुरक्षित पड़कर वन क्षेत्र में छोड़ा गया।

विद्युत विभाग ने स्मार्ट प्री मीटर सुविधा की लागू

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। बिजली उपभोक्ताओं को गलत बिल, अनावश्यक लेट फीस और मीटर रीडिंग की परेशानियों से निजात दिलाने के लिए बिजली विभाग ने स्मार्ट प्री-पेड मीटर की सुविधा शुरू की है। विभाग का दावा है कि इससे मकान मालिक-किरायेदार के बीच बिजली बिल को लेकर होने वाले विवाद भी समाप्त होंगे। सरैयां सब स्टेशन परिसर में आयोजित एक प्रेस वार्ता में एक्सईएन भरत गौतम, एसडीओ राजेंद्र प्रसाद, निरंजन चौधरी और जेई विजय पाल ने यह जानकारी दी। एक्सईएन भरत गौतम ने बताया कि स्मार्ट मीटर के माध्यम से उपभोक्ता घर बैठे मोबाइल ऐप या वेबसाइट से बिजली रिचार्ज कर सकेंगे। रिचार्ज पर 2 प्रतिशत की छूट भी मिलेगी। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता अपनी आवश्यकता और बजट के अनुसार बिजली की खपत को नियंत्रित कर पाएंगे। यह सुविधा उपभोक्ताओं को अधिक पारदर्शिता और विश्वसनीयता प्रदान करेगी। स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य तेजी से जारी है। नगर क्षेत्र में कुल 34 हजार स्मार्ट मीटर लगाए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इनमें से फीडर-2, 3, 4, 5 और शक्ति नगर क्षेत्र में 22,700 मीटर लगाए जाने हैं, जिनमें से अब तक 35 मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। वहीं, फीडर-1 में 10,600 मीटर लगाने का लक्ष्य है, जिनमें से 3,000 मीटर की स्थापना पूरी हो चुकी है। इसके अतिरिक्त, अंबिकापुरम के सभी 500 उपभोक्ताओं में से 184 को स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। उपभोक्ताओं के बीच स्मार्ट मीटर को लेकर फैले भ्रम पर एक्सईएन भरत गौतम ने स्पष्ट किया कि स्मार्ट मीटर गलत नहीं चलते।ह उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ाने के लिए पुराने मीटर के साथ नए स्मार्ट मीटर भी समानांतर रूप से लगाए जा रहे हैं। ताकि लोग दोनों की रीडिंग की तुलना कर सकें। अधिकारियों ने यह भी बताया कि भविष्य में उपभोक्ताओं को सोलर पैनल या इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग जैसी सुविधाएं लेने पर मीटर बदलने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। बिजली विभाग अब लोगों में फैली भ्रांतियों को दूर करने के लिए जागरूकता अभियान भी चला रहा है।

दबंगो ने घर में घुसकर की मारपीट, मेले में हुआ था विवाद

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। दही थाना क्षेत्र स्थित बाजारखेड़ा गांव में सोमवार रात उस समय हड़कंप मच गया जब मेले में हुई मामूली कहासुनी के बाद कुछ दबंगों ने गांव में घुसकर उत्पात मचाया। आरोप है कि दबंगों ने एक युवक की बेरहमी से पिटाई की और बीच-बचाव करने पहुंचे परिजनों को भी नहीं बख्शा। इस घटना में एक महिला समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, बाजारखेड़ा गांव में लगे मेले में कुछ युवकों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। विवाद उस समय तो शांत हो गया, लेकिन आरोप है कि अमन टंडन, सुनील, अखिलेश लोधी, जयसिंह, शिव नारायण टंडन, वंश टंडन सहित लगभग 20 लोग लाठी-डंडों और बांकों से लैस होकर पीड़ित के घर पहुंच गए। दबंगों ने वहां मौजूद सुधीर नामक युवक की बुरी तरह पिटाई शुरू कर दी। सुधीर को बचाने के लिए जब उसका भाई आकाश और मां राजदेई बीच-बचाव करने पहुंचे, तो दबंगों ने उन्हें भी मारपीट कर घायल कर दिया। मारपीट में राजदेई के सिर पर गंभीर चोट आई, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़ीं। परिजनों ने किसी तरह सभी को बचाया और शोर मचाने पर गांव के अन्य लोग वहां पहुंचे, तब जाकर दबंग भाग निकले। घटना की सूचना मिलते ही दही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल उन्नाव भिजवाया। अस्पताल में राजदेई की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने मौके से सबूत जुटाए और गवाहों से पूछताछ की। पीड़ित पक्ष ने थाने में नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ितों का कहना है कि दबंग आए दिन गांव में विवाद उत्पन्न करते हैं और आम लोगों को डराते-धमकाते रहते हैं। घटना के बाद से गांव की महिलाएं और बच्चे भयभीत हैं। थाना प्रभारी दही ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

गैस कंटेनर से कुचलकर महिला की मौत

बेटे के साथ दवा लेने जा रही थी, पुलिस ने कंटेनर जब्त किया

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर, भावलखेड़ा क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक सड़क हादसे में 50 वर्षीय महिला की मौके पर मौत हो गई। महिला अपने बेटे के साथ बाइक से दवा लेने जा रही थी, तभी इंडियन गैस के कंटेनर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। पुलिस ने कंटेनर को जब्त कर लिया है। मृतक महिला की पहचान थाना रोजा के गांव चौरा अजीजपुर निवासी होमगार्ड जगदीश की पत्नी राजकुमारी के रूप में हुई है। राजकुमारी अपने बेटे पवन के साथ बाइक से दर्द की दवा लेने जमुका गांव आ रही थीं। बताया गया कि जैसे ही वे दवा दुकानदार के सामने पहुंचीं, सीतापुर की ओर से आ रहे इंडियन गैस के कैप्सूल कंटेनर ने पीछे से उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से राजकुमारी बाइक से सड़क पर गिर गईं और कंटेनर का पहिया उनके सिर से कुचल गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे का कारण सड़क पर खराब खड़ा एक ट्रक बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, सोमवार देर रात सीतापुर की ओर जा रहे एक ट्रक का स्टीयरिंग अचानक फेल हो गया था, जिससे वह रेलिंग तोड़कर सड़क के दूसरी ओर आ गया और वहीं खड़ा था। इंडियन गैस कंटेनर ने इस खराब ट्रक को बचाने के प्रयास में बाइक को टक्कर मार दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कंटेनर को अपने कब्जे में ले लिया। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

भारत की महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीतकर न केवल खेल के मैदान में बल्कि देश के हर घर में गर्व, प्रेरणा और आत्मविश्वास का संचार किया है। यह विजय भारतीय खेल इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है, एक ऐसा क्षण जिसने यह साबित कर दिया कि अब महिला खिलाड़ी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि भारतीय नारी शक्ति की नई परिभाषा है। इस ऐतिहासिक जीत ने भारत की लाखों लड़कियों के दिलों में एक नया सपना जगाया है। जहां कभी क्रिकेट को पुरुषों का खेल माना जाता था, आज के बाद महिला क्रिकेट को भी बराबर का दर्जा दिया जाना चाहिए। 1983 की कपिल देव की टीम की तरह ही उन्होंने सिद्ध किया कि उनमें जोश जज्बे और देश के लिए कुछ करने के माद्दे की कमी नहीं है। अवसर को कैसे बनाया जाए इसकी मिसाल दी युवा बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने, उनकी आक्रामक बल्लेबाजी, अनुभवी स्मृति मंधाना की सधी हुई पारी और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी, मिताली का कैच, रेणुका सिंह ठाकुर की गेंदबाजी का जिक्र तो होगा ही, सबसे ज्यादा जिक्र होगा इन खिलाड़ियों की टीम स्पिरिट और खेल भावना के नायाब प्रदर्शन का। महिला क्रिकेट के संघर्ष और सफलता का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

मुबारक हो उपेक्षित रात की स्वर्णिम सुबह

विश्लेषण

डॉ. घनश्याम बादल

स्वतंत्र पत्रकार

दो नवंबर 2025 की रोशन रात भारतीय खेल जगत की एक ऐतिहासिक एवं स्वर्णिम घटना के रूप में याद की जाएगी जो भारत और यहां की लड़कियों तथा महिला खिलाड़ियों के लिए एक स्वर्णिम सुबह लेकर आई। यदि इस जीत को हमने देश के महिला जगत एवं खेल जगत के लिए एक अवसर के रूप में इस्तेमाल कर लिया तो आने वाली पीढ़ियों के लिए यह जीत यह एक 'टर्निंग प्वाइंट' सिद्ध होगी। भारत की महिला क्रिकेट खिलाड़ियों ने अफ्रीका की मजबूत क्रिकेट टीम को 52 रन के भारी अंतर से हराकर आईसीसी महिला विश्व क्रिकेट कप पर ही कब्जा नहीं किया अपितु यह सिद्ध किया है कि अब भारत की लड़कियां दुनिया के किसी हिस्से की लड़कियों से कम नहीं हैं।

भारत की महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीतकर न केवल खेल के मैदान में बल्कि देश के हर घर में गर्व, प्रेरणा और आत्मविश्वास का संचार किया है। यह विजय भारतीय खेल इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है, एक ऐसा क्षण जिसने यह साबित कर दिया कि अब महिला खिलाड़ी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि भारतीय नारी शक्ति की नई परिभाषा है।

भारत की महिला क्रिकेट खिलाड़ियों ने अफ्रीका की मजबूत क्रिकेट टीम को 52 रन के भारी अंतर से हराकर आईसीसी महिला विश्व क्रिकेट कप पर ही कब्जा नहीं किया अपितु यह सिद्ध किया है कि अब भारत की लड़कियां दुनिया के किसी हिस्से की लड़कियों से कम नहीं हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीतकर न केवल खेल के मैदान में बल्कि देश के हर घर में गर्व, प्रेरणा और आत्मविश्वास का संचार किया है। एक ऐसा क्षण जिसने यह साबित कर दिया कि अब महिला खिलाड़ी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं।

खेल से मंत्रमुग्ध किया

पूरे टूर्नामेंट में भारतीय महिला टीम ने अपने खेल से मंत्रमुग्ध किया। कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में टीम ने हर चुनौती, हार-जीत और उतार चढ़ाव का डटकर सामना किया और लीग चरण से लेकर फाइनल तक अपनी रणनीति, अनुशासन और टीम भावना के बल पर देश को विश्व चैंपियन बनाया। इस विश्व कप के फाइनल में जीत का परचम लहराने वाली इन लड़कियों का सामना हार से भी हुआ और वह लगातार तीन मैच ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड तथा दक्षिण अफ्रीका से हारी। जब वह हार रही थीं तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि ये शेरनियां पलट कर ऐसा वार भी कर सकती हैं। 1983 की कपिल देव की टीम की तरह ही उन्होंने सिद्ध किया कि उनमें जोश जज्बे और देश के लिए कुछ करने के माद्दे की कमी नहीं है। अवसर को कैसे बनाया जाए इसकी मिसाल दी युवा बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने, उनकी आक्रामक बल्लेबाजी, अनुभवी स्मृति मंधाना की सधी हुई पारी और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी, मिताली का कैच, रेणुका सिंह ठाकुर की गेंदबाजी का जिक्र तो होगा ही, सबसे ज्यादा जिक्र होगा इन खिलाड़ियों की टीम स्पिरिट और खेल भावना के नायाब प्रदर्शन का। सेमीफाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज टीम को हराना ऐतिहासिक था।

टीम का जज्बा और संकल्प

फाइनल में 52 रन की बड़ी जीत इस टीम के जज्बे और संकल्प को रेखांकित करती है। इस मैच में भारतीय टीम ने न केवल तकनीकी श्रेष्ठता बल्कि मानसिक दृढ़ता का परिचय दिया। हर खिलाड़ी ने टीम की सफलता में योगदान दिया, चाहे वह फील्डिंग में चपलता हो या आखिरी ओवरों में दबाव झेलने की क्षमता। इस विजय का सबसे बड़ा कारण टीम स्पिरिट और आपसी विश्वास था। हर खिलाड़ी ने अपनी भूमिका को बखूबी समझा और व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक टीम की जीत को प्राथमिकता दी। इस टीम के कोच और देश के अंदरूनी क्रिकेट के सचिन तेंदुलकर कहे जाने वाले अनमोल मजूमदार को कभी नीली जर्सी ना पहन पाने की टीस भी इन लड़कियों ने खत्म कर दी। उनकी कोचिंग,कोचिंग स्टाफ और सपोर्ट टीम की भी खिलाड़ियों को मानसिक रूप से तैयार करने में अहम भूमिका रही। टीम की यह एकजुटता और सामूहिक प्रयास उस परंपरा का प्रतीक है जिसमें सामूहिक सफलता को सर्वोच्च माना जाता है। महिला खिलाड़ियों ने यह दिखा दिया कि सफलता केवल व्यक्तिगत प्रतिभा से नहीं, बल्कि सामूहिक समर्पण और एक-दूसरे पर भरोसे से हासिल होती है। इस ऐतिहासिक जीत ने भारत की लाखों लड़कियों के दिलों में एक नया सपना जगाया है। जहां कभी क्रिकेट को पुरुषों का खेल माना जाता था, आज के बाद महिला क्रिकेट को भी बराबर का दर्जा दिया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि सरकार और समाज तथा प्रमोटर पैसे की बारिश कर सकते हैं लेकिन सबसे ज्यादा जरूरत है।

सामाजिक मानसिकता बदलेगी

'बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ' की तर्ज पर ही 'बेटी खिलाओ, बेटी बढ़ाओ' जैसे अभियान यथार्थ के धरातल पर चलाए जाने चाहिए। बेशक, यदि सब ठीक रहे तो यह जीत सामाजिक मानसिकता में बड़ा परिवर्तन लाएगी। अब माता-पिता अपनी बेटियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। महिला खेल अकादमियों की स्थापना व वृद्धि के साथ वहां की दशा एवं दिशा दोनों में सुधार की गति को बढ़ाना होगा। उम्मीद करनी चाहिए कि यह जीत इन प्रयासों को और गति देगी। विश्व चैंपियन बनने के साथ ही भारतीय महिला क्रिकेट एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। यह विजय न केवल खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को बढ़ाएगी बल्कि महिला क्रिकेट के बुनियादी ढांचे को भी सुदृढ़ करेगी और विश्व कप की जीत से इसकी लोकप्रियता और निवेश दोनों में वृद्धि होगी, ऐसी उम्मीद करना अनुचित नहीं होगा।

सरकार को देना होगा ध्यान

नए स्पॉन्सर, बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक मैचों की संभावना आने वाले वर्षों में भारत को विश्व की सबसे मजबूत महिला क्रिकेट संरचनाओं में से एक बना सकता है। महिला क्रिकेट की इस अभूतपूर्व सफलता को बनाए रखने के लिए सरकार और समाज दोनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सरकार को चाहिए कि वह महिला खिलाड़ियों को उचित आर्थिक सहायता, विश्वस्तरीय प्रशिक्षण केंद्र और खेल उपकरण उपलब्ध कराए। ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में महिला क्रिकेट अकादमियों की स्थापना से नई प्रतिभाओं को मौका मिलेगा। साथ ही, खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स कोटा के तहत नौकरियों और प्रोत्साहनों से सम्मानित करना चाहिए ताकि वे आर्थिक रूप से सुरक्षित रहते हुए अपने खेल पर पूरा ध्यान दे सकें। मीडिया और निजी क्षेत्र को भी महिला क्रिकेट को उसी स्तर की पहचान देनी चाहिए जैसी पुरुष क्रिकेट को दी जाती है। यह ट्रॉफी भारत के लिए केवल एक खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण का प्रतीक है। इस जीत ने यह संदेश दिया है कि यदि अवसर मिले तो भारतीय महिलाएं किसी भी क्षेत्र में विश्व विजेता बन सकती हैं।

मगर याद यह भी रखना होगा कि जीत की परंपरा कायम रखना भी एक बड़ी जिम्मेदारी होगी। इसलिए इससे खुश होने के साथ-साथ इसे बरकरार रखने के लिए कड़े परिश्रम की भी जरूरत होगी।

क्रिकेट के आकाश पर छाई भारत की बेटियां

जय हो

रोहित माहेश्वरी

स्वतंत्र पत्रकार

नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीमों के बीच वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल मुकाबला खेला गया। इसमें टीम इंडिया ने मेहमान टीम को 52 रनों से हराकर इतिहास रच दिया है। इंडियन विमेंस क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारत ने ये करिश्मा करके दिखाया है। इसका जश्न आज पूरा भारत मना रहा रहा है। भारत की बेटियों की जय हो! वाह, क्या खेल दिखाया है? क्या जुझारू पारी और एकागता की मिसाल कायम की है? विश्व कप में भारत की बेटियों ने जो खेल खेला है, वह वाकई अद्भुत, अप्रत्याशित, अभूतपूर्व, अकल्पनीय, अतुलनीय है! यह सिर्फ एक जीत नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के दिलों में बसी उम्मीदों का चरमोत्कर्ष था। यह आधी आबादी को संबल देने वाली जीत है जो नजीर बन गई उनके लिए जो एक मुकाम हासिल करना चाहती हैं। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच रोमांचक फाइनल मुकाबले पर हर किसी की नजरें बनी हुई थीं। 25 साल के विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप के इतिहास में एक बार फिर से महिला क्रिकेट टीम के सामने एक सुनहरा मौका था और उन्होंने इसमें बाजी मारते हुए विश्वे विजेता बनकर देश का मान और गौरव बढ़ा दिया है। विमेंस क्रिकेट वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत ने साउथ अफ्रीका जीत के लिए 299 रनों का बड़ा लक्ष्य दिया, जिसके जवाब में पूरी मेहमान टीम 45.3 ओवर में 246 रनों पर सिमट गई और 52 रनों से टीम इंडिया ने ये मैच जीत लिया। भारत और हम भारतीयों को अपेक्षाएं ही नहीं थीं। हमने महिला क्रिकेट तो क्या, महिला खिलाड़ियों को कभी गंभीरता से नहीं लिया। फाइनल मैच से पहले सेमीफाइनल में भारत की बेटियों ने जो करिश्मा कर दिखाया। उसकी बात करना जरूरी जान पड़ता है। असल में वो मैच निर्णायक मैच तो था ही। वहीं उस मैच में मिली जीत ने टीम इंडिया के आत्मविश्वास का स्तर बहुत ऊंचा कर दिया था। महिला टीम इंडिया ने 7 बार की विश्व चैम्पियन और लगातार 15 मैचों की अजेय ऑस्ट्रेलिया टीम को पराजित कर विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया,वो पल खेल के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गए। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने ग्रुप स्तर पर टीम इंडिया के 330 रनों का सफल चेज कर जीत हासिल की थी। लिहाजा सेमीफाइनल मुकाबले में किसी अतिरिक्त करिश्मे की उम्मीद नहीं थी, लेकिन जेमिमा रोड्रिग्स के रूप में मानो कोई फरिश्ता उतर आया और उसने अभूतपूर्व करिश्मा कर दिखाया। जेमिमा को इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में 'ड्रॉप' किया गया था। जेमिमा की फॉर्म भी अच्छी नहीं थी। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसने 70 से अधिक रन ठोके थे। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने 338 रन का पहाड़-जैसा लक्ष्य दिया था। जवाब में जब टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज-शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना-अपेक्षाकृत कम स्कोर पर आउट हो गए, तो भारत की पारी डूबती-सी लगी। उन स्थितियों में जेमिमा ने नाबाद 127 रन (134 गेंद, 14 चौके) बनाकर न केवल विश्व कप का अपना पहला शतक लगाया, बल्कि कप्तान हरमनप्रीत कौर (88 गेंद पर 89 रन) के साथ तीसरे विकेट की साझेदारी में 167 रन (156 गेंद) बना कर 'पहाड़' की ऊंचाई को एक हद तक कम कर दिया।

> *विश्व कप में भारत की बेटियों ने जो खेल खेला है, वह वाकई अद्भुत, अप्रत्याशित, अभूतपूर्व, अकल्पनीय, अतुलनीय है! यह 140 करोड़ भारतीयों के दिलों में बसी उम्मीदों का चरमोत्कर्ष था।*

जेमिमा ने दीप्ति शर्मा के साथ 38 रन (34 गेंद), ऋचा घोष के साथ 46 रन (31 गेंद) और अमनजोत कौर के साथ नाबाद 31 रन (15 गेंद) जोड़े और एक अविश्वसनीय-सी लग रही जीत पर मुहर लगा दी। विश्व कप का यह सबसे बड़ा और सफल चेस रहा। भारत ने 1978 में पहली बार महिला विश्व कप में हिस्सा लिया था। 2005 व 2017 में मिताली राज की कप्तानी में भारत फाइनल तक पहुंचा, पर दोनों बार ट्रॉफी हाथ से फिसल गई। आखिरकार हरमनप्रीत की कप्तानी में टीम विश्व विजेता बन गई। महिला टीम की यह पहली आईसीसी ट्रॉफी है। यह जीत सिर्फ मैदान की नहीं, बल्कि मानसिकता की जीत है। अब गांव-शहर की लड़कियां क्रिकेट को करियर के रूप में देखेंगी। माता-पिता भी बेटियों को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। 'लड़की होकर क्रिकेट' जैसी पुरानी सोच को यह जीत हमेशा के लिए बदल देगी। शेफाली, दीप्ति और हरमनप्रीत जैसी खिलाड़ी अब हर लड़की की प्रेरणा बनेंगी। कोहली, गिल की तरह ही अब हमारी लड़कियां भी नए हेयरस्टाइल, टैटू के साथ युवाओं के लिए नई सुपरस्टार और रोल मॉडल होंगी। यह ट्रॉफी सिर्फ एक खिताब नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, समान अवसर और नए भारत की नारी शक्ति का उदाहरण बन जाएगी।

महिला क्रिकेट टीम ने रचा विश्व कप का नया इतिहास

कीर्तिमान

डॉ. प्रियंका सौरभ

स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर वर्ष 2025 का क्रिकेट विश्व कप जीत लिया है। यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि उस अदम्य जज्बे, संकल्प और संघर्ष का प्रतीक है जिसने वर्षों से भारतीय बेटियों को खेल के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई है। यह क्षण हर भारतीय के लिए गर्व, उत्साह और प्रेरणा का है, क्योंकि यह सिर्फ मैदान की जीत नहीं, बल्कि मानसिकता की भी जीत है। भारतीय महिला क्रिकेट का यह गौरवशाली अध्याय उस लंबे सफर का परिणाम है, जो संघर्ष, सीमित संसाधनों और सामाजिक बाधाओं के बीच शुरू हुआ था। एक समय ऐसा भी था जब महिला क्रिकेट को गम्भीरता से नहीं लिया जाता था, न दर्शक होते थे, न प्रायोजक। लेकिन समय बदला, और इन बेटियों ने अपने खेल, समर्पण और प्रतिभा के बल पर पूरी दुनिया को दिखा दिया कि खेल का मैदान किसी एक लिंग की बपौती नहीं है। आज जब भारत विश्व कप जीतकर विश्व का सिरमौर बना है, तो यह जीत हर उस बेटी की आवाज है जिसने अपने सपनों को समाज की बंदिशों से ऊपर रखा। यह जीत केवल एक खेल प्रतियोगिता की विजय नहीं है, बल्कि यह उस मानसिक परिवर्तन का प्रतीक है जो भारत में महिलाओं की स्थिति और दृष्टिकोण को लेकर हो रहा है। कभी जिन बेटियों को कहा जाता था कि "खेल लड़कियों का काम नहीं", वही आज विश्व चैंपियन बनी खड़ी हैं।

> *यह जीत केवल एक खेल प्रतियोगिता की विजय नहीं है, बल्कि यह उस मानसिक परिवर्तन का प्रतीक है जो भारत में महिलाओं की स्थिति और दृष्टिकोण को लेकर हो रहा है।*

इस जीत ने समाज को यह संदेश दिया है कि अगर अवसर मिले तो भारतीय महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं। आज ये खिलाड़ी सिर्फ खेल नहीं रही हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक नया रास्ता तैयार कर रही हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम का यह गौरवशाली प्रदर्शन वर्षों के परिश्रम का परिणाम है। महिला आईपीएल ने खिलाड़ियों को मंच और आत्मविश्वास दोनों दिया। छोटे शहरों और कस्बों से आने वाली खिलाड़ी जैसे कि प्रतीका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिग्स, स्नेह राणा, राधा यादव और रेणुका ठाकुर ने दिखा दिया कि प्रतिभा किसी भौगोलिक सीमा की मोहताज नहीं होती। इन खिलाड़ियों ने न केवल मैदान में बल्कि देश के हर घर में प्रेरणा की नई कहानी लिख दी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और खेल मंत्रालय ने पिछले कुछ वर्षों में महिला क्रिकेट को लेकर जो नीतिगत बदलाव किए हैं, वे इस सफलता की बुनियाद बने। समान वेतन नीति ने खिलाड़ियों को आत्म-सम्मान दिया, जबकि बेहतर कोचिंग सुविधाएँ और घरेलू टूर्नामेंट्स ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया। यह देखना सुखद है कि अब महिला क्रिकेट को भी वही सम्मान और प्रसारण मिल रहा है जो पुरुष टीम को मिलता है।

मोनिका डागा

जीत के जश्न का दमदार आगाज

नई ऐतिहासिक जीत के जश्न का दमदार आगाज किया है,
घर में छुपी बंद मुस्कुराहटों को बिखेरने का साज दिया है,
बेटियों ने बेटियों को भविष्य का एक सुंदर ख़्वाब दिया है,
बुलंद हौसलों से कठिनाइयों को मुँह तोड़ जवाब दिया है ।

तोड़कर बंदिशें तपस्या से दृढ़ संकल्प को संजीव किया है,
प्रतिभाशाली व्यक्तित्व से जड़ों को मजबूत अतीव किया हैं
ख़्वाबों को हक़ीक़त की धरातल पर श्रम से रंगीन किया है,
खुशियों के आँसू दे धड़कनों को आनंद यूं नवीन दिया हैं।

पैनी नज़र लक्ष्य की पकड़ संग धैर्य का समावेश किया है,
हार को जीत में ढालना है संभव श्रेष्ठतम परिवेश दिया हैं,
आत्म विश्वास और उत्साह की किरणों का प्रकाश दिया हैं,
अरबों आंखों में पल रहे रंगीन सपनों को आकाश दिया है ।

सर्पीले रास्तों पर पसीने का चमकता शीतल चंदन दिया है,
भारत का ही नहीं विश्व की धड़कनों को नया स्पंदन दिया है,
संगठन की ताकत और समर्पण का जज़्बा प्रस्तुत किया है,
जीत कर वूमेन्स वर्ल्ड कप अलग उदाहरण अद्भुत दिया हैं।

खुद पर करना होगा यकीं ऐसा महत्वपूर्ण अभ्यास दिया हैं,
जोर शोर हिलोर मचाने को रचने को नया इतिहास दिया है,
नीली जर्सी में बेटियों ने शानदार जीत को अंजाम दिया हैं,
दबी चाहतों को अर्जुन के तीर सा लक्ष्यभेदी पैगाम दिया हैं ।

म्हारी छोरियां, छोरों से कम नहीं...

इनामों की बरसात

आईसीसी महिला विश्व कप में भारतीय टीम की जीत के बाद से ही देश में जश्न है और लोग बेटियों को बधाई देते नहीं थक रहे हैं. इस जीत के साथ ही भारतीय टीम पर लगातार इनामों की बरसात हो रही है।

▸▸ बीसीसीआई ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को सम्मान के तौर पर 51 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। इसमें सभी खिलाड़ी, सहयोगी स्टाफ और राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य शामिल हैं।

▸▸ मध्यप्रदेश सरकार ने टीम की सदस्य क्रांति गौड़ को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए एक करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की है।

▸▸ हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर को 1 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि देने का ऐलान किया।

▸▸ रियल एस्टेट कंपनी ओमैक्स लिमिटेड ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमन प्रीत कौर को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है।

▸▸ उत्तर प्रदेश में दीप्ति शर्मा को उपाधीक्षक बनाया गया है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने लिख डाली नई गौरव-गाथा

विश्व कप क्रिकेट

सुनील कुमार महला

स्वतंत्र पत्रकार

दो नवंबर 2025 का दिन अपने-आप में ऐतिहासिक बन गया और हम सभी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। दरअसल, इस दिन हमारे देश की महिला क्रिकेट टीम 'विश्व विजेत्री' बन गई। रविवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में सात विकेट पर 298 रन बनाए तथा जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 45.3 ओवर में 246 रन पर ऑलआउट हो गई। इस मैच में साउथ अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी, लेकिन भारत ने यह मुकाबला 52 रन से जीत लिया और पहली बार महिला टीम वनडे विश्व कप का खिताब जीतने में कामयाब रही। हालांकि,लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वूलवार्ट ने अकेले दम पर लड़ाई लड़ी। उन्होंने दबाव में रहते हुए भी शानदार बल्लेबाजी की और लगातार दूसरा शतक जड़ते हुए 101 रन बनाए। कहना ग़लत नहीं होगा कि उनकी पारी ने मैच को काफ़ी रोमांचक बनाए रखा, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिल सका। इधर, हरमनप्रीत कौर ने भारतीय टीम का नेतृत्व किया और अब वह कपिल देव, एमएस धोनी और रोहित शर्मा जैसे महान कप्तानों की श्रेणी में शामिल हो गई हैं, विशेष बधाई और शुभकामनाएं। वास्तव में, यह दर्शाता है कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरूषों से कम नहीं हैं। आज हमारे देश की महिलाएं हर क्षेत्र में कीर्तिमान पर कीर्तिमान स्थापित कर रहीं हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो आज महिला सशक्तीकरण हो रहा है।

महिलाएं हर क्षेत्र में आगे

सच तो यह है कि आज महिलाएं जीवन के हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। वे राजनीति, विज्ञान, शिक्षा, खेल, रक्षा, अंतरिक्ष और उद्योग जगत तक में उत्कृष्ट योगदान दे रही हैं। और तो और तकनीकी और चिकित्सा क्षेत्र में भी उनकी भूमिका तेजी से बढ़ी है। यह साबित करता है कि महिलाएं अब सीमाओं को तोड़कर हर क्षेत्र में अग्रणी बन चुकी हैं। हम यहां यह बात खुले दिल से कह सकते हैं कि महिला सशक्तीकरण का स्वर अब क्रिकेट के मैदानों में भी गूंजने लगा है। आज भारतीय महिला खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से विश्वभर में देश का नाम रौशन कर रही हैं। खेल के माध्यम से

महिला सशक्तीकरण का स्वर अब क्रिकेट के मैदान में भी गूंजने लगा है। आज भारतीय महिला खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से विश्वभर में आत्मविश्वास, नेतृत्व और स्वतंत्र सोच का परिचय दे रही हैं।

महिलाएं आत्मविश्वास, नेतृत्व और स्वतंत्र सोच का परिचय दे रही हैं। जहां तक क्रिकेट की बात है तो, क्रिकेट भी अब सिर्फ पुरुषों का खेल नहीं रहा है, बल्कि यह अब समान अवसर और सम्मान का प्रतीक बन गया है। यह बदलाव समाज में महिलाओं की बढ़ती ताकत और उनकी नई पहचान का सशक्त उदाहरण है। बताते चलें कि 25 जून 1983 को कपिल देव के नेतृत्व में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए पहली बार क्रिकेट विश्व कप जीतकर देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया था। वही इतिहास अब दोबारा लिखा गया है, पर इस बार बल्ला थामा हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को करारी शिकस्त देकर विश्व क्रिकेट में एक नया स्वर्ण अध्याय जोड़ दिया है।

भारतीय नारी शक्ति की जीत

यह जीत सिर्फ एक खेल की जीत नहीं, बल्कि भारतीय नारी शक्ति की उड़ान का प्रतीक है। हर महिला खिलाड़ी ने मैदान पर ऐसा जज़्बा दिखाया, मानो 1983 की आत्मा फिर से जीवित हो उठी हो। करोड़ों भारतीयों के दिलों में गर्व और खुशी का सैलाब उमड़ पड़ा है। महिला क्रिकेट की यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी कि मेहनत और हौसले से कोई भी सपना असंभव नहीं। अब भारत न केवल पुरुष क्रिकेट का, बल्कि महिला क्रिकेट का भी विश्व विजेता बन चुका है। कहना ग़लत नहीं होगा कि वास्तव में यह सच्चे अर्थों में 'नए भारत' का गौरव क्षण है। इस खिताबी जीत में शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा का अहम योगदान रहा। रोहतक की शेफाली ने पहले 78 गेंद पर 87 रन बनाए और फिर बाद में अपनी फिरकी का जादू चलाते हुए शीर्ष पांच में से दो साउथ अफ्रीकी बैटर्स के विकेट भी निकाले। दीप्ति शर्मा ने 58 रन बनाए और शानदार गेंदबाजी करते हुए अपनी ऑफ-स्पिन से 39 रन देकर 5 विकेट भी लिए। वास्तव में सच तो यह है कि भारतीय जीत की वास्तुकार बनीं ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा।

उन्होंने ही निर्णायक क्षणों में शतकवीर वूलवार्ट का विकेट लिया, जिससे दक्षिण अफ्रीका की उम्मीदें टूट गईं। उनकी इस जादुई गेंदबाजी ने टीम इंडिया की जीत सुनिश्चित की। शेफाली वर्मा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया, जबकि दीप्ति शर्मा को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक जीत से देशभर में महिलाओं के खेल के प्रति नजरिया और भी सकारात्मक होगा। यह जीत न केवल खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को नई ऊँचाइयाँ देगी, बल्कि आने वाली पीढ़ी की लड़कियों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। दूसरे शब्दों में कहें तो यह जीत देश भर में महिला क्रिकेट के प्रति जागरूकता और समर्थन को भी बढ़ाएगी। उम्मीद है कि इस सफलता से महिला क्रिकेट को और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा

संक्षेप

पुलिस ने वांछित को पकड़ा

जौनपुर से गिरफ्तार, आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया

सुलतानपुर, पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराध रोकथाम अभियान के तहत करौंदीकला पुलिस ने एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी जौनपुर जिले के सरपतहा थाना क्षेत्र स्थित भिवरहा गांव से सुबह करीब 9 बजे की गई। गिरफ्तार किए गए अभियुक्त की पहचान शुभम उर्फ मोनू मिश्रा पुत्र शेषनारायण मिश्रा के रूप में हुई है। वह स्थानीय थाने में पंजीकृत मु.अ.सं. 165/2025, धारा 191(2)/115(2)/352/109 बीएनएस से संबंधित मामले में वांछित था। आवश्यक कानूनी कार्यवाही के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। थानाध्यक्ष चंद्रभान वर्मा ने बताया कि अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी कादीपुर के कुशल निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। आरोपी को गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक चंद्रभान वर्मा के साथ कांस्टेबल सत्येंद्र सिंह और कांस्टेबल हर्षित यादव शामिल थे।

महिला थाने ने सुलझाया पति-पत्नी का विवाद

सुल्तानपुर में प्रभारी निरीक्षक ने कराई दंपति की विदाई

सुलतानपुर, जनपद के महिला थाने में पति-पत्नी के बीच चल रहा विवाद सुलझा लिया गया है। प्रभारी निरीक्षक हंसमती और उनकी टीम के प्रयासों से दंपति के मतभेद दूर हुए और वे एक साथ रहने को राजी हो गए। यह मामला काफी समय से विवादित चल रहा था। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह के पर्यवेक्षण में महिला थाना पुलिस टीम ने इस प्रकरण पर कार्य किया। समझाइश के बाद, पति-पत्नी ने अपने सभी मतभेदों को भुलाकर एक साथ रहने का निर्णय लिया। महिला थाना प्रभारी निरीक्षक हंसमती ने दंपति की पति के साथ विदाई कराई। दोनों परिवारों ने पुलिस टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

लम्भुआ में नीलगाय से टकराई बाइक

सवार गंभीर घायल, प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया

सुल्तानपुर, लंभुआ कोतवाली क्षेत्र में लखनऊ-वाराणसी राजमार्ग पर एक नीलगाय से टकराने के बाद एक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना बेदूपारा के पास हुई। सैफाबाद से सुल्तानपुर जा रहे दो बाइक सवार युवक अचानक सड़क पार कर रही नीलगाय से टकरा गए। इस हादसे में मोहम्मद इरशाद (लगभग 28 वर्ष), पुत्र मोहम्मद यूनुस, निवासी नवाही सैफाबाद पट्टी, प्रतापगढ़, गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर एनएचएआई 1033 एम्बुलेंस की मदद से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लंभुआ में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद, उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया।

नेपालगंज एयरपोर्ट से दिल्ली, लखनऊ और वाराणसी के लिए सीधी हवाई सेवा जल्द होगी शुरू

नेपालगंज एयरपोर्ट पर अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नया टर्मिनल भवन तैयार, व्यापार और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। भारत-नेपाल सीमा से सटे शहर नेपालगंज के एयरपोर्ट से जल्द ही दिल्ली, लखनऊ और वाराणसी के लिए सीधी हवाई सेवा शुरू होने जा रही है। नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (CAA) के महानिदेशक प्रदीप अधिकारी ने इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि नए अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप टर्मिनल भवन का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जिससे भारत और नेपाल के बीच व्यापार, पर्यटन एवं लोगों की आवाजाही को नई गति मिलेगी।

महानिदेशक प्रदीप अधिकारी काठमांडू से नेपालगंज पहुंचे और नवनिर्मित टर्मिनल भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर के टर्मिनल भवन का निर्माण निर्धारित समय से दो माह पूर्व ही पूरा कर लिया गया है। अब शीघ्र ही अंतर्राष्ट्रीय हवाई सेवा की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। फिलहाल विभिन्न एयरलाइंस कंपनियों के माध्यम से दिल्ली, लखनऊ और वाराणसी के लिए उड़ानें प्रारंभ की जाएंगी। इस संबंध में नेपाल और भारत सरकार के बीच कई दौर की बैठकें हो चुकी हैं।

निरीक्षण के दौरान नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के निदेशक दीपेंद्र श्रेष्ठ और निर्माण कंपनी के अध्यक्ष रमेश शर्मा भी मौजूद रहे। निर्माण कंपनी के अध्यक्ष ने बताया कि इस परियोजना पर कुल 2 अरब 74 करोड़ 20 लाख 18 हजार 993 रुपये की लागत आई है, और यह कार्य तीन वर्षों में पूरा किया गया है।

नवनिर्मित टर्मिनल भवन की विशेषताएं

तीन मंजिला आधुनिक टर्मिनल भवन के बेसमेंट में व्यावसायिक उपयोग हेतु 24 दुकानें जिसका कुल क्षेत्रफलः 5,075 वर्ग मीटर है तथा यात्री जांच के लिए 14 काउंटर, वीआईपी लाउंज 3, बच्चों के खेलने के लिए समर्पित क्षेत्र, कस्टम और क्वॉरिंटाइन जांच हेतु अलग भवन आदि बन चुके है। नेपालगंज एयरपोर्ट के इस नए टर्मिनल भवन और सीधी हवाई सेवाओं से न केवल सीमा क्षेत्र के लोगों को सुविधा मिलेगी, बल्कि भारत और नेपाल के बीच व्यापारिक संबंध और पर्यटन को भी नई दिशा मिलेगी।

दिल्ली बम धमाकों के बाद सीमा पर हाई अलर्ट

अधिकारियों ने सीमा का किया दौरा, सुरक्षा बढ़ाई, कड़ी जाँच के आदेश

अमन लेखनी समाचार / मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। राजधानी दिल्ली में हुए बम धमाकों के बाद भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। स्थानीय पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है तथा सीमा पर पेट्रोलिंग और निरीक्षण तेज कर दिए गए हैं। क्षेत्राधिकारी नानपारा प्रद्युम्न सिंह ने रविवार को अपनी पूरी पुलिस टीम के साथ सीमा क्षेत्र का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कहा, ह्न्परिस्थिति को देखते हुए सीमा पर हो रहे आवागमन की गहनता से जांच करने के निर्देश जारी किए गए हैं। बिना पहचान-पत्र के किसी को भी आने-जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।ह्व इसी के साथ सीमा पर तैनात एसएसबी की 42वीं वाहिनी के कमांडेंट गंगा सिंह उदावत ने भी जवानों को निर्देशित करते हुए कहा कि डॉग स्क्वॉड और अन्य जाँच दलों की मदद से प्रत्येक व्यक्ति और वाहन की सख्ती से तलाशी ली जा रही है। उन्होंने बताया कि सीमा पर तैनात जवानों को विशेष सतर्कता और कड़ा अनुपालन रखने के लिए कहा गया है। निरीक्षण टीम ने सीमा पर सुरक्षा चौकियों व पेट्रोलिंग रूटों पर अतिरिक्त जवान तैनात कर दिए हैं और सभी प्रवेश-पथों पर निगरानी बढ़ा दी गयी है। अधिकारियों ने कहा कि संभावित अराजक तत्वों को किसी भी कीमत पर सीमा के पार प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि जनता की सुरक्षा प्राथमिकता है, इसलिए यात्रा करने वाले लोगों से सहयोग की अपेक्षा की जाती है। यात्रियों से निवेदन है कि वे अपने पहचान-पत्र साथ रखें और किसी भी संदिग्ध स्थिति की जानकारी तुरंत सीमा सुरक्षा बल या स्थानीय पुलिस को दें। पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम सीमावर्ती इलाकों में गश्त बढ़ाए हुए है और संवेदनशील स्थानों पर सतत निगरानी जारी रहेगी। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सुरक्षा व्यवस्था और आवागमन नियंत्रण नियमित रूप से समीक्षा के बाद आवश्यकतानुसार और सख्त किए जाएंगे।

अटेवा (पुरानी पेंशन बचाओ मंच) की बैठक सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली मंच (अटेवा) की बैठक में 25 नवम्बर कों दिल्ली में होने वाली पेंशन बहाली रैली के लिए कर्मचारियों और शिक्षकों से भाग लेने की अपील की गई। आयोजित बैठक में रैली की तैयारियों पर चर्चा की गई और संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया गया। ब्लॉक संसाधन केंद्र बाबागंज (नवाबगंज) परिसर में अटेवा ब्लॉक नवाबगंज की बैठक ब्लॉक अध्यक्ष सरोज कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक कों सम्बोधित करते ब्लॉक अध्यक्ष सरोज कुमार ने बताया कि 25 नवम्बर कों दिल्ली में आयोजित महा रैली अटेवा के प्रांतीय अध्यक्ष एवं एनएमओपीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु की अगुवाई में पुरानी पेंशन बहाली हेतु आंदोलन होगा जिसमे नवाबगंज से लगभग 500 व जिले से लगभग 8-10 हजार शिक्षक दिल्ली में होने वाले आंदोलन में प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार विधायिका और न्यायपालिका को पुरानी पेंशन दें रही है। जबकि कार्यपालिका कों नहीं दें रही है, जो नैसर्गिक न्याय के खिलाफ है। बैठक को अजय मिश्रा ब्लॉक मंत्री, विनोद सरोज जिला मंत्री, जीतेन्द्र वर्मा, प्रदीप त्रिपाठी ब्लॉक संरक्षक, अभय त्रिपाठी ने अपने-अपने विचार साझा किया। इस मौके पर अनिल वर्मा, प्रदीप सिंह, ममता मैलानी, पवन कुमार, पंकज कुमार, सुशील मौर्य, महेश वर्मा, अमित प्रकाश, अंशु यादव, पूनम वर्मा, अंजली दीक्षित, मनीषा रानी, हरिपाल, राजू सोनकर, प्रगति शर्मा, नीरज जैन, शर्मेन्द्र कुमार, दीपक कुमार, विजय यादव आदि उपस्थिति रहे।

सीएचसी में इलाज के दौरान शिक्षक की मौत, डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप

अधीक्षक पद पर डॉ थानेदार की तैनाती के बाद से विवादों के घेरे में सीएचसी

शिक्षक संगठनों ने सीएचसी पर किया प्रदर्शन, कार्यवाही की उठी मांग

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिहींपुरवा में अधीक्षक के पद पर डॉक्टर थानेदार की तैनाती के बाद से सीएचसी लगातार विवादों के घेरे में है। कभी डॉक्टरों द्वारा मरीजों से वसूली तो कभी इलाज में लापरवाही की चर्चा आम बात है। मंगलवार सुबह एक शिक्षक की इलाज के दौरान हुई मौत के बाद शिक्षक संगठनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। ब्लॉक मिहींपुरवा थाना मोतीपुर क्षेत्र में सरकारी शिक्षक की हुई मौत से शिक्षकों में भारी आक्रोश है। शिक्षकों ने डॉक्टर पर इलाज के दौरान लापरवाही का आरोप लगाया है। शिक्षक मूल रूप से जनपद हरदोई के निवासी थे और मिहींपुरवा नगर पंचायत क्षेत्र में रह रहे थे। थाना मोतीपुर क्षेत्र अंतर्गत नगर पंचायत मिहींपुरवा के गुरुद्वारा कॉलोनी में रह रहे सरकारी शिक्षक अजीत कुमार चंद्रा पुत्र राम प्रकाश उम्र 40 वर्ष की तैनाती सोमई गौढी के सोमई बेली प्राथमिक विद्यालय स्कूल में थी। सोमवार की रात वह रास्ते में अचेत अवस्था में पड़े मिले रास्ते से गस्त पर निकली डायल 112 नंबर पुलिस ने राहगीरों की मदद से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिहींपुरवा में लाकर भर्ती कराया। जहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। मंगलवार सुबह घटना की जानकारी होने पर काफी संख्या में शिक्षक सीएचसी पहुंचे और ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर आरपी सिंह पर शराब के नशे में इलाज करने से हुई मौत का आरोप लगाने लगे। साथ ही डॉक्टर की अल्कोहल जांच के लिए उन्होंने लिखित शिकायत दी। सीएचसी अधीक्षक ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च अधिकारियों से बात कर डॉक्टर आरपी सिंह को जांच के लिए बहराइच भेज दिया। सूचना पर पहुंची मोतीपुर पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई कर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए पोस्टमार्टम हाउस बहराइच भेज दिया । आपको बताते चलें कि शिक्षक अजीत कुमार चंद्रा अपने किसी परिचित के घर गए हुए थे। सोमवार देर शाम मोटरसाइकिल से आते समय रास्ते में सड़क पर अचेत अवस्था में सड़क पर पड़े हुए थे। और मोटरसाइकिल गड्ढे में पड़ी हुई थी। सूचना पर 112 नंबर पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल अपनी गाड़ी से उन्हें सीएचसी मोतीपुर में भर्ती कराया। जहां पर उपचार के दौरान सुबह लगभग 6 बजे उनकी मौत हो गई। थाना अध्यक्ष मोतीपुर आनंद चौरसिया ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है आगे की कार्यवाही की जा रही है।

सीएचसी की अव्यवस्थाओं को लेकर अधिवक्ताओं ने एसडीएम को सौपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। मंगलवार को बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कैसरगंज की समस्याओ को लेकर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष गंगाधर मिश्र एवं महामंत्री अजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में उपजिलाधिकारी अखिलेश कुमार सिंह को एक ज्ञापन सौपा। ज्ञापन मुख्यमन्त्री को सम्बोधित था। अधिवक्ताओं ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कैसरगंज में व्याप्त भ्रष्टाचार, अव्यवस्थाओं तथा मरीजों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार पर चिंता व्यक्त की।ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमन्त्री को अवगत कराया गया है कि पूर्व मंत्री स्व. ठा. हुकुम सिंह द्वारा जनहित में स्थापित यह स्वास्थ्य केन्द्र क्षेत्र की गरीब जनता के उपचार का प्रमुख केन्द्र है, किंतु वर्तमान समय में यहाँ की व्यवस्थाएँ संतोषजनक नहीं रह गई हैं। कुछ कर्मचारियों और अधिकारियों की कार्यप्रणाली को लेकर स्थानीय स्तर पर असंतोष हैं। अधिवक्ताओं ने बताया की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक विगत 25 वर्षों से चिकित्सालय में तैनात हैं। वही अस्पताल में आने वाले मरीजों व परिजनों को समय-समय पर तमाम तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जिससे लोगों में नाराजगी की स्थिति बनी हुई है अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष गंगाधर मिश्र ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए नियमित प्रशासनिक समीक्षा एवं निरीक्षण आवश्यक है। इस प्रकरण की पूरी जांच कराई जाए जिससे चिकित्सालय का सच सामने आ सके। इस मौके पर अधिवक्ता विजय प्रताप सिंह, मनोज कुमार सिंह, विनोद कुमार विसेन, सतीश यादव, योगेश मिश्रा सहित सौ से अधिक अधिवक्ता उपस्थित रहे।

सांसद ने कृषको को वितरित किये प्याज एवं लहसुन के बीज

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। जिला उद्यान अधिकारी दिनेश चौधरी ने बताया कि सांसद बहराइच डॉ आनंद कुमार गोड द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत आयोजित बीज वितरण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्याज एवं लहसुन के बीज का वितरण किया गया। सांसद श्री गोड द्वारा जगन्नाथ मौर्य, देवी प्रसाद, देशराज, दिनेश कुमार, राम गोपाल, श्रीमती गीता देवी, दुर्गेश, जगदीश आदि कृषकों को प्याज एवं लहसुन का बीज वितरण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। साथ ही सांसद द्वारा एकीकृत जीवनाशी प्रबन्धन के अन्तर्गत प्रदर्श स्थल का निरीक्षण किया गया। इस पद्धति के द्वारा बिना कीटनाशक /पेस्टीसाइज के प्रयोग से शाकभाजी की खेती की जाती है। उप कृषि निदेशक विनय कुमार वर्मा, जिला उद्यान अधिकारी, बहराइच द्वारा आई.पी.एम. संयत्र यथारू सोलर लाईट ट्रैप, स्टिकी ट्रैप, फेरोमन ट्रैप, फूट फ्लाई टैज्प के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके प्रयोग से बिना कीटनाशक/पेस्टीसाइज के कीट, पतंकों के प्रकोप से फसलों को बचाया जा सकता है तथा विष मुक्त उत्पादन लेकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने के साथ कृषि की लागत में कमी कर सकते हैं। इस अवसर पर सहायक निदेशक रेशम, मिथिलेश कुमार सिंह, एस.डी.ओ. कृषि डॉ0 शिशिर वर्मा, पंकज वर्मा, ओम प्रकाश त्रिपाठी, प्रगतिशील कृषक संजय सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में कृषक व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

बहराइच में मेडिकल स्टोर पर की गई छापेमारी

एसएसबी जवानों के साथ हुई मेडिकल स्टोर पर छापेमारी

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार बहराइच जिले में चल रहे नशीली दवाओं के खिलाफ अभियान के तहत बिछिया क्षेत्र में ड्रग इंस्पेक्टर बहराइच विनय कृष्णा यादव एवं एसएसबी जवानों के साथ छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान कई मेडिकल स्टोरों को सीज कर दिया गया एवं बगैर लाइसेंस के चल रहे मेडिकल स्टोरो की छानबीन जोरो पर है। इसके साथ ही साथ नशीली दवाओं के खिलाफ अभियान तेज है। ड्रग इंस्पेक्टर बहराइच विनय कृष्णा यादव ने बताया कि अगर कोई भी केमिस्ट पर अवैध नशीली दवाएं पकड़ी गई तो उनके खिलाफ सुसंगत धाराओं में कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसी के क्रम में बिछिया क्षेत्र के अंतर्गत कई मेडिकल स्टोरों को सीज किया गया।

परालीं जागरूकता प्रचार वाहन को सांसद ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। सांसद बहराइच डॉ आनंद कुमार गोड़ ने भाजपा जिला उपाध्यक्ष रण विजय सिंह के साथ कृषि भवन बहराइच प्रांगण में बनी मिलेट्स कैंटीन का निरीक्षण किया गया। कृषि भवन के प्रांगण से सांसद बहराइच श्री गौड़ जी द्वारा जनपद में पराली जागरूकता प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया गया। साथ ही उन्होंने जनपद के किसान भाइयों से अपेक्षा किया कि वह पराली कदापि न जलाएं, बल्कि उसे इन-सीटू कृषि यंत्रों का उपयोग कर कंपोस्ट बनाकर अपने खेतों में उपयोग कर अपनी फसलों की उत्पादकता बढ़ाएं।

इससे पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर रोक लगेगी। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक विनय कुमार वर्मा, जिला उद्यान अधिकारी दिनेश चौधरी, सहायक निदेशक रेशम एम.के. सिंह, उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी शिशिर कुमार वर्मा, अवर अभियंता कृषि नितिन कुमार मौर्य सहित कृषि विभाग के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। सांसद श्री गोड़ ने कृषि भवन बहराइच में साफ सफाई उचित व्यवस्था तथा कृषि भवन के जीर्णोद्धार के लिए डीडी एग्री विनय कुमार वर्मा की सराहना भी की।

गंगापुर जेएस एकेडमी के स्थापना दिवस पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का हुआ समापन

शिक्षा के साथ ही खेल को बढ़ावा देना हमारा उद्देश्यः प्रियेश मौर्य

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। तहसील मिहींपुरवा क्षेत्र अंतर्गत जेएस एकेडमी गंगापुर के स्थापना दिवस पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें पहला दिन सीतापुर आंख अस्पताल के द्वारा निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। कैंप में 175 से अधिक लोगों का इलाज हुआ तथा 57 लोगों को निशुल्क ऑपरेशन हेतु अस्पताल ले जाया गयादूसरे दिन ग्रामीण स्तरीय वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें गंगापुर की टीम विजेता घोषित हुई और बभनिया की टीम उपविजेता रही।तीसरे दिन राज स्तरीय वालीबॉल प्रतियोगिता का राज स्तरीय टूनार्मेंट का सेमीफाइनल मैच गोंडा (जे0 एस0 फेब्रिकेशन) और मोहम्मदी के बीच हुआ जिसमें गोंडा की टीम विजई रही दूसरा। सेमीफाइनल उत्तराखंड बनाम टिकरा बाराबंकी के बीच हुआ जिसमें उत्तराखंड की टीम विजई रही टूनार्मेंट का फाइनल मैच गोंडा जेएस फेब्रिकेशन बनाम उत्तराखंड के बीच हुआ। जिसमें उत्तराखंड की टीम फाइनल विजेता बनी और गोंडा जेएस फेब्रिकेशन की टीम उप विजेता बनी। विजेता टीम को माइसेम सीमेंट की तरफ से दस हजार रुपए का इनाम दिया गया और उपविजेता टीम को मौर्य इंटरप्राइजेज सचिन मौर्य के तरफ से इक्यावन सौ रुपए का इनाम और चार टीमों को माइसेम सीमेंट के नाम से 4 टी शर्ट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशेष योगदान सीमा जागरण मंच के जिला मंत्री योगेंद्र मौर्य का रहा।विद्यालय के प्रबंधक प्रियेश कुमार मौर्य ने बताया कि शिक्षा के साथ ही विद्यार्थियों में खेल की भावना को उजागर करने के लिए आयोजन किया गया जिसमें खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि आलोक जिंदल, पत्रकार मनोज तिवारी, मदन पोरवाल, गौरैया संरक्षक मिथिलेश जायसवाल, अनिल मौर्य, भारती देवी शिक्षिका, डॉ अक्षवर शर्मा उर्रा, शहाबुद्दीन अंसारी उर्रा, चंदन मौर्य बोझिया, मुन्ना वर्मा शिवपुर, लालजी अध्यापक शिवपुर, रामप्रवेश सिंह पूर्व प्रधान, गुरमीत सिंह गौरा पिपरा, गौतम बीज भंडार, राम नारायण मौर्य, रघुवीर मौर्य, नरसिंह मौर्य, जितेंद्र कुमार टीआराई सारथी, कॉमेंटेटर के रूप में सत्येंद्र कुमार भारती हब मैनेजर, संगम कुमार अध्यापक, मनोज सिंह सहित काफी संख्या में विद्यार्थी अभिभावक व क्षेत्रीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधक प्रियेश मौर्य ने बताया कि विजेता खिलाड़ियों को जल्द ही सीमा जागरण मंच की ओर से भी एक कार्यक्रम आयोजित कर सम्मानित किया जाएगा।

हत्या के प्रयास के 3 आरोपी गिरफ्तार

बेटे की मौत का बदला लेने के लिए चलाई थीं गोलियां, गंभीर हालत में चल रहा इलाज

अमन लेखनी समाचार

अमेठी , एक युवक पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाने के मामले में पुलिस ने मुख्य साजिशकर्ता समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मुख्य साजिशकर्ता मो इस्लाम, वसीम उर्फ रज्जन और मोबीन शामिल हैं। पुलिस ने तीनों अभियुक्तों को जेल भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह घटना गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र के पूरे मंशा गुजर टोला की है। गांव का रहने वाला अंकित सिंह बाइक से बाजार से घर जा रहा था। तभी कार सवार आधा दर्जन बदमाशों ने उसकी बाइक को टक्कर मारी और उस पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। बदमाशों के हमले में युवक अंकित सिंह को छह गोलियां लगीं। उसकी हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज ट्रॉमा सेंटर में चल रहा है। इस घटना में शामिल चार अन्य आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। घटना के बाद से मुख्य साजिशकर्ता मो इस्लाम समेत तीन आरोपी फरार चल रहे थे। पुलिस की कई टीमें इनकी तलाश में जुटी हुई थीं, जिसके बाद इन्हें गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में मुख्य साजिशकर्ता मो. इस्लाम ने बताया कि उसने अपने बेटे जीशान की मौत का बदला लेने के लिए यह वारदात प्लान की थी। साजिशकर्ता ने पुलिस को बताया कि बेटे की मौत के बाद से ही वह अंकित सिंह से बदला लेने की फिराक में था। इसी कारण उन लोगों ने पहले अंकित सिंह की बाइक को कार से टक्कर मारी, फिर लोहे की रॉड से पिटाई की और जान से मारने की नीयत से उस पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं।

वे उसे मरा हुआ समझकर मौके से फरार हो गए थे।

संक्षेप

विवादित प्रॉपर्टी पर 3 श्रमिक बंधक बने

मेरठ में आजाद समाज पार्टी ने छुड़ाया, मामला कोर्ट में विचाराधीन

मेरठ, सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में ईव्ज चौराहे के पास एक विवादित संपत्ति पर शनिवार को हंगामा हो गया। संपत्ति विवाद के चलते तीन श्रमिक बंधक बन गए, जिन्हें बाद में आजाद समाज पार्टी के नेताओं ने छुड़ाया। यह विवाद ईव्ज चौराहे के पास स्थित एक संपत्ति को लेकर दो भाइयों के बीच लंबे समय से चल रहा है और मामला कोर्ट में विचाराधीन है। शनिवार रात एक भाई ने श्रमिकों को बुलाकर संपत्ति पर काम शुरू कराया। इसी दौरान दूसरा भाई मौके पर पहुंचा और संपत्ति पर ताला लगा दिया, जिससे तीनों श्रमिक अंदर ही फंस गए। श्रमिकों को दोपहर लगभग 3 बजे से रात 10 बजे तक बंधक बनाए रखा गया। बंधक बने श्रमिकों की सूचना मिलने पर आजाद समाज पार्टी के महानगर प्रभारी चतर सिंह जाटव अपने कार्यकताओं के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस की मदद से दरवाजा तोड़कर तीनों श्रमिकों को रिहा कराया। सिविल लाइंस थाना प्रभारी सौरभ शुक्ला ने बताया कि यह संपत्ति विवाद महिला सुनैना और उसके जेठ बृजमोहन के बीच है, और मामला कोर्ट में विचाराधीन है। पुलिस को घटना की जानकारी मिली थी, लेकिन उनके मौके पर पहुंचने से पहले ही श्रमिक वहां से जा चुके थे।

छेड़खानी से परेशान छात्रा ने स्कूल छोड़ा

3 साल से पीछा करता, मार्केट में हाथ पकड़ता, कहता- तुम पसंद हो

मेरठ, जानी थाना क्षेत्र में 12वीं कक्षा की एक छात्रा से पिछले तीन साल से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। स्कूल जाने के दौरान गांव के ही तीन युवक उसका पीछा करके छेड़खानी करते थे। स्कूल आते-जाते उसे परेशान करने का मामला बढ़ता गया। ऐसे में उसने स्कूल जाना छोड़ दिया। करीब डेढ़ महीने से वह स्कूल नहीं जा रही है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा नहीं किया। वह अब भी पुलिस की पकड़ से दूर हैं। वह कॉल करके धमकी दे रहे हैं। अंजान नंबरों से फोन करके परेशान कर रहे हैं। इसी से परेशान होकर शनिवार को छात्रा ने अपने माता-पिता के साथ डीआईजी से मिलकर शिकायत की है। यह पूरा मामला जानी थाना क्षेत्र के एक गांव का है। यहां रहने वाली 12वीं की एक छात्रा पिछले करीब डेढ़ महीने से स्कूल नहीं जा रही है। उसके पिता मजदूरी करते हैं। छात्रा का आरोप है कि स्कूल जाने के दौरान गांव के ही तीन युवक उसे परेशान करते हैं। जब वह 10वीं में थी, तभी से छेड़खानी करते थे। तब उसके पिता पुलिस चौकी में शिकायत करते थे। पुलिस आरोपियों पर कार्रवाई के बजाए डांट-फटकार कर छोड़ देती थी। कुछ दिन बाद आरोपी फिर से रास्ते में पीछा करके छेड़खानी करने लगते थे। पुलिस की ओर से ठोस कार्रवाई न होने से आरोपियों के हौसले बुलंद होते रहे। करीब छह महीने पहले फिर से छेड़खानी की तो उसके पिता ने जानी थाना में जाकर शिकायत की। पुलिस ने आरोपियों को बुलाकर कार्रवाई की घुड़की दी। फिर करीब चार महीने तक मामला सामान्य रहा। करीब डेढ़ महीने पहले 28 सितंबर को तीनों आरोपी छात्रा के घर में घुस गए।

डॉक्टर की कार से 2 महिलाओं को रौंदा

एक की मौत, तेज रफ्तार ब्रेजा पलटी; भागे ड्राइवर को पकड़ा

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज, फिर तेज कार ने सड़क किनारे जा रहीं 2 महिलाओं को रौंद दिया। इसी बीच कार बीच सड़क पलट गई। हादसे में एक 50 साल की महिला विमला देवी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी महिला घायल है। जबकि मौका पाकर ड्राइवर भाग गया। करेली एसीपी राजकुमार मीना ने बताया- घटना के वक्त कार डॉक्टर जुबैर का ड्राइवर चला रहा था। आरोपी ड्राइवर को ट्रेस करने के बाद हिरासत में लिया गया है। मृतका के परिवार वाले आ गए हैं और उनसे तहरीर लेकर विधिक कार्रवाई की जाएगी। विमला देवी पूरवा करेली में रहती थी। उनके पति की भी मौत हो चुकी है। उनके दो बेटियां हैं। वह जीटीबी नगर में लोगों के घरों में काम करती थीं। विमला काम पर जा रही थीं। उसी समय डॉ. जुबैर का ड्राइवर भी घर का सामान लेने के लिए नीचे उतरा। उसने घर के बाहर खड़ी कार को स्टार्ट करने के लिए चाबी लगाई और अचानक से पैर पर एक्सीलेटर रख दिया। इसके बाद अचानक से कार आगे बढ़ गई और सामने से आ रही दो महिलाओं को रौंदते हुए पलट गई। हादसे के बाद आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची करेली थाना पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, हादसे में शामिल ग्रैंड विटारा कार डॉ. जुबैर अहमद नाम पर रजिस्टर्ड है, जो करेली इलाके के ही रहने वाले हैं। डॉ. जुबैर काल्विन हॉस्पिटल में फिजिशियन हैं। डॉक्टर जुबैर ने पुलिस को बताया- गाड़ी ऑटोमैटिक थी। उन्होंने आशंका जताई है कि ड्राइवर इसे समझ नहीं पाया और गाड़ी स्टार्ट करते ही उसने एक्सीलेटर पर पैर दिया होगा। जिस वजह से हादसा हुआ होगा। मृतक पूजा कुमारी मृतका की बेटी ने एफआईआर दर्ज कराई है। आरोपी ड्राइवर शाहबाज अरेस्ट कर लिया गया है। गाड़ी मालिक डॉक्टर जुबेर को घर भेज दिया गया है।

नींद की 29 गोलियां खाकर महिला मैनेजर का सुसाइड अटेंप्ट

बोलीं- 12 लाख के गहने चोरी हुए, थाना इंचार्ज और दरोगा ने टॉर्चर किया

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज, एक निजी फाइनेंस कंपनी की महिला ब्रांच मैनेजर ने पुलिस पर टॉर्चर का आरोप लगाते हुए सुसाइड की कोशिश की। उसने एक साथ नींद की 29 गोलियां खा ली। अब महिला की हालत गंभीर है। आईसीयू में इलाज चल रहा है। सुसाइड की कोशिश से पहले महिला ने वीडियो बनाया, 1 पेज का नोट लिखा। इसमें आरोप लगाया कि 12 लाख की सारी ज्वेलरी चोरी होने के 5 दिन बाद पुलिस ने एफआईआर किया। अश्विनी सर (फाफामऊ थाना इंचार्ज) और प्रमोद सर (सब इंस्पेक्टर) ने मुझे टॉर्चर किया। जिससे परेशान होकर मैं जान दे रही हूं। मम्मी-पापा मेरे लिए परेशान मत होना। पीड़ित अभ्या पांडेय गोरखपुर में बरगदवा की रहने वाली हैं। गोरखपुर में ही इनकी शादी हुई है। पति प्राइवेट जॉब करते हैं। अभ्या दो साल से प्रयागराज के फाफामऊ में रहकर अरोहन फाइनेंस कंपनी में सीनियर ब्रांच मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। अभ्या पांडेय ने नींद की गोलियां खाने से पहले एक वीडियो भी बनाया है। वीडियो में अभ्या ने कहा- पूरा फाफामऊ थाना जानता है कि मेरी ज्वेलरी किसने चुराई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही। अश्विनी सर (फाफामऊ थाना इंचार्ज) और प्रमोद सर (सब इंस्पेक्टर) ने मुझे टॉर्चर किया। डेढ़ महीने से मुझे सिर्फ गोल-गोल घुमाया जा रहा है। लगातार कॉल करने के बावजूद पुलिस सिर्फ टालमटोल कर रही, जिससे परेशान होकर मैं जान दे रही हूं। मैं जानती हूं कि मैं जो कदम उठाने जा रही हूं, वह कायरता वाला है। लेकिन क्या करूं, आप ही लोग बताइए। मैं क्या करती, मेरी सारी ज्वेलरी चोरी हो गई। लेकिन, अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। एफआईआर होने में ही सात दिन लग गए। एफआईआर होने के बाद भी एक भी कार्रवाई नहीं हुई। अगर पीड़ित के साथ पुलिस ऐसे करेगी तो जनता का भरोसा कैसे रहेगा? पुलिस तो जनता की सेवा करने के लिए होती है, न कि जनता को परेशान करने के लिए। मैं अभ्या पांडेय अपनी लाइफ से थक गई हूं।

मैनपावर सप्लाई को लेकर 2 गुटों में मारपीट

2 घायल, पुलिस ने 2 लोगों को गिरफ्तार किया

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र स्थित एक कंपनी में मैन पावर सप्लाई को लेकर दो गुटों के बीच मारपीट हो गई। इस दौरान सरजीत और सचिन नामक दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया और उनका मेडिकल परीक्षण करवाया है। मामले में मुकदमा दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के मुताबिक, कंपनी में राहुल और राजीव मैन पावर सप्लाई का कार्य करते हैं। इन्हीं के बेटों के बीच आपसी विवाद शुरू हो गया, जो बढ़ते-बढ़ते मारपीट में बदल गया। बताया जा रहा है कि पवन, संजय, शिवम और अन्य साथियों ने सरजीत और सचिन पर हमला कर दिया, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। ईकोटेक-3 थाना प्रभारी ने बताया कि झगड़े की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया गया। शिकायत के आधार पर संजय और शिवम को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

फर्जी खातों के जरिए ठगी करने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

50 लाख से 5 करोड़ तक लिमिट, नोएडा में रोजाना मिलता था 50 हजार

अमन लेखनी समाचार

नोएडा, फर्जी दस्तावेजों के जरिए बैंक खाते खुलवाकर साइबर ठगों को खाते उपलब्ध कराने वाले चार लोगों को थाना फेज-3 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इन खातों का प्रयोग डिजिटल अरेस्ट और अन्य प्रकार के साइबर अपराधों में किया जाता रहा है। गिरफ्तार लोगों के नाम वरुण प्रताप सिंह, सार्थक गुप्ता, अर्थव दीक्षित और मोनू यादव बताए गए हैं। चारों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी के बाद ग्रीन बेल्ट सेक्टर-66 से सेक्टर-63 की ओर जाते हुए रास्ते से दबोचा गया। अन्य फरार आरोपियों की भी जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। ये चारों आरोपी फर्जी दस्तावेजों के आधार पर ऐसे खाते खुलवाते थे जिनकी लिमिट 50 लाख से 5 करोड़ रुपए तक होती थी। साइबर ठगों की ओर से जो डिमांड आती थी, वह खाते इन लोगों द्वारा उपलब्ध करवा दिए जाते थे। इन खातों का प्रयोग डिजिटल अरेस्ट और निवेश के नाम पर की गई धोखाधड़ी में होता रहा है। बताया जा रहा है कि डिजिटल अरेस्ट के जरिए करोड़ों की धोखाधड़ी की गई है और ऐसे खाते इन्हीं मामलों में इस्तेमाल किए गए होंगे। मोनू यादव ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उसने रोहित यादव को किट (अकाउंट-चेक बुक, डेबिट कार्ड, सिम) सप्लाई करने की जिम्मेदारी ली थी। एक खाते के लिए मोनू को 60,000 रुपए मिलते थे। मोनू ही वरुण प्रताप सिंह और अर्थव दीक्षित से खाते के डिटेल, सिम और डेबिट कार्ड लेकर रोहित यादव को देता था।

माखर गांव में युवक ने की आत्महत्या

22 वर्षीय युवक फंदे पर लटका मिला, पुलिस जांच में जुटी

अमन लेखनी समाचार

बागपत, जिले के बिनौली थाना क्षेत्र के माखर गांव में एक 22 वर्षीय युवक का शव पेड़ से लटका मिला। खेतों में काम करने गए किसानों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान माखर गांव निवासी सोनू के रूप में हुई है। वह हरियाणा में जेसीबी चलाने का काम करता था और दो दिन पहले ही अपने घर आया था। मृतक के भाई ने बताया कि घर में सब कुछ ठीक था और किसी से कोई लड़ाई-झगड़ा नहीं हुआ था। सुबह खेतों में काम करने वाले किसानों ने उन्हें बताया कि उनके भाई का शव एक पेड़ पर लटका हुआ मिला है। भाई ने यह भी जानकारी दी कि सोनू भट्टे पर ट्रैक्टर और मशीन चलाने का काम करता था। वह दो दिन पहले एक शादी में शामिल होने के लिए गांव आया था। परिजनों को इस बात का कोई अंदाजा नहीं है कि उसने आत्महत्या क्यों की। परिवार ने भी मामले की गहन जांच की मांग की है। बिनौली थाना प्रभारी राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

डंपिंग ग्राउंड में युवक की जली लाश मिली

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा, फॉरेंसिक टीम जांच में जुटी

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , लोनी थाना क्षेत्र के निठौरा रेलवे लाइन के पास स्थित डंपिंग ग्राउंड में एक युवक की जली हुई लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।

सबसे पहले शव को वहां कूड़ा डालने पहुंचे वाहन चालक और स्थानीय लोगों ने देखा, जिन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर लोनी पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। करीब 20 वर्षीय युवक का शव बुरी तरह जला हुआ था, जिससे पहचान नहीं हो सकी। शव के पास से जले हुए कपड़े और कुछ अन्य सामान भी बरामद हुए हैं, जिन्हें पुलिस ने साक्ष्य के रूप में जब्त कर लिया है। डीसीपी देहात सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और मृतक की पहचान के लिए फॉरेंसिक टीम की मदद ली जा रही है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच हर एंगल से की जा रही है और सच्चाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद सामने आएगी। पुलिस ने आसपास के थानों में गुमशुदगी की रिपोर्टें खंगालनी शुरू कर दी हैं और सीसीटीवी फुटेज व सर्विलांस की मदद से सुराग जुटाए जा रहे हैं। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है, वहीं पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर मामले की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है।

5 बच्चे पैदा करने के लिए यति की पदयात्रा

हिंदू उस दिन का इंतजार करें, जब मुसलमान लाखों की तादात में आपके घर जलाने आएंगे

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद, शिवशक्ति धाम डासना के पीठाधीश्वर और श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिर ने आज हरिद्वार में गंगा तट से एक पदयात्रा शुरू कराई, यति परमात्मानंद गिरी महाराज ने इसकी शुरूआत की है। यह यात्रा हिंदू जागो घर बेटी अस्तित्व बचाओ के लिए शुरू की गई है। जिसमें एक लाख हिंदुओं से 5 या 5 से अधिक बच्चे पैदा करने के संकल्प करवाने का लक्ष्य है।

यह यात्रा उत्तराखंड से होते हुए वेस्ट यूपी के गांव गांव तक जाएगी। महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद ने कहा एक लाख हिंदुओं को 5 या 5 के अधिक बच्चे पैदा करने का संकल्प दिलाने के लिए यात्रा आरम्भ की। उनकी यात्रा देवभूमि उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गांव गांव तक जाएगी। आगे कहा कि हिंदुओं से कहेंगे कि हम अकेले पड़ चुके हैं, एक दिन मुसलमानों की भीड़ हमारे घर के सामने जरूर आएगी। अब हर हिंदु उस दिन की तैयारी करे जब मुसलमान हजारों और लाखों की संख्या में घर जलाने आएंगे। बेटियों से बलात्कार करके मंडियो में बेचने के लिए। हिंदु अपने घर में अधिक से अधिक हथियार रखें। महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी आज सवार्नंद घाट हरिद्वार पहुंचे, जहां उन्होंने आशीर्वचन देते हुए कहा कि भारत मुस्लिम राष्ट्र होने के मुहाने पर है। भारत के नेताओं और हिंदुओं के धर्मगुरुओं में सनातन को बेचकर धन एकत्रित करने की होड लगी हुई है। ऐसा लगता है कि सनातन धर्म और संपूर्ण मानवता का विनाश आ चुका है। धन और राजनैतिक सत्ता के लालच में हिंदू पागलपन की सभी पराकाष्ठा पार कर चुके हैं।

अब अपने भविष्य के बारे में आम हिन्दू को खुद ही तय करना पड़ेगा, अन्यथा सभी हिंदुओं का वंश विनाश होकर ही रहेगा।

आगे कहा यह यात्रा हिंदुओं को उनकी और उनके परिवार की रक्षा हेतु जागरूक करेगी। यह यात्रा हिंदुओं को समझाएगी कि अब धर्म या राष्ट्र की बात नहीं है बल्कि हर एक हिन्दू का घर, बेटी, अस्तित्व खतरे में है।

इसलिए अब हिंदुओं को अपना परिवार मजबूत करना ही पड़ेगा, अन्यथा सब कुछ सर्वनाश हो जाएगा। यति परमात्मानंद गिरी ने अपने गुरु को धन्यवाद देते हुए कहा कि अब हम एक लाख हिंदुओं को संकल्प दिलवा कर अपने गुरु के के दर्शन करेंगे।

सार्वजनिक स्थानों से कुत्ते पकड़ना शुरू

नगर स्वास्थ्य अधिकारी बोले- जितनी जगह, उतने ही पकड़ेंगे, अभी शेल्टर हाउस में 90 कुत्ते

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद मेरठ में सार्वजनिक स्थलों से आवारा कुत्तों को पकड़कर शेल्टर हाउस भेजने का काम शुरू हो गया है। नगर स्वास्थ अधिकारी डॉ. अमर सिंह टीम के साथ पीएल शर्मा जिला अस्पताल पहुंचे और अस्पताल परिसर में घूमते कुत्तों को पकड़वाकर शेल्टर हाउस पहुंचवाया। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमर सिंह ने बताया कि शासन से जो आदेश आया है उसका पालन किया जा रहा है। जल्द ही आगे किस प्रकार इसमें कार्य किया जाना है, उसको लेकर आदेश आएगा। उसी के अनुसार जगह चिह्नित कर शेल्टर हाउस का काम किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभी शेल्टर हाउस में लगभग 90 कुत्ते है, जिसमें अभी और भी कुत्ते आ सकते हैं। इसलिए आदेश आने से पहले ही ऐसे स्थानों से जैसे जिला अस्पताल, रेलवे स्टेशन आदि से कुत्तों को पकड़कर शेल्टर हाउस में भेजा जा रहा है। स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि इस मामले में अग्रिम कार्रवाई का कोई आदेश अभी हमारे पास नहीं है। शेल्टर हाउस बनाना, इनके लिए फीड आदि की व्यवस्था कि लिए आदेश के बाद ही कार्य योजना बनाकर उसके बाद ही काम शुरू किया जाएगा।

कॉलेज भर्ती में धांधली का आरोप, हंगामा

पारदर्शिता पर सवाल उठने के बाद नियुक्ति प्रक्रिया स्थगित

अमन लेखनी समाचार

मोदीनगर, मुलतानी मल मोदी डिग्री कॉलेज में रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया में धांधली का आरोप लगाते हुए युवाओं ने जमकर हंगामा किया। युवाओं का आरोप था कि चयन प्रक्रिया केवल दिखावा है और उम्मीदवारों का चयन पहले ही हो चुका है। मामले की शिकायत मुख्यमंत्री तक पहुंचने के बाद कॉलेज प्रबंधन ने नियुक्ति प्रक्रिया स्थगित कर दी है। जब कॉलेज में लैब टेक्नीशियन और लाइब्रेरी के कुल पांच रिक्त पदों के लिए चयन प्रक्रिया आयोजित की गई थी। इन पदों के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थी कॉलेज परिसर में पहुंचे थे। चयन प्रक्रिया शुरू होते ही युवाओं को धांधली की आशंका हुई और उन्होंने हंगामा करना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारी युवाओं ने आरोप लगाया कि भर्ती का प्रचार-प्रसार केवल दिखावा था और नौकरी के लिए उम्मीदवारों का चयन पहले ही गोपनीय तरीके से कर लिया गया था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवाओं को समझा-बुझाकर कॉलेज से बाहर निकाला। कॉलेज के प्राचार्य दीपक अग्रवाल ने इन आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि चयन प्रक्रिया निष्पक्ष तरीके से आयोजित की गई थी। कॉलेज के सचिव संदीप यादव ने बताया कि पांच पदों के लिए लगभग 50 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिससे यह स्पष्ट होता है कि चयन के लिए प्रचार-प्रसार नियमानुसार किया गया था। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि वर्तमान में चयन प्रक्रिया स्थगित कर दी गई है।

किसान एकता संघ ने किया आंदोलनकारी किसानों का समर्थन

भारतीय किसान यूनियन (लोक शक्ति) के धरने में होंगे शामिल

अमन लेखनी समाचार

जेवर, किसान एकता संघ ने भारतीय किसान यूनियन (लोक शक्ति) के चल रहे किसान आंदोलन को पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की है। यह निर्णय दनकौर स्थित कैंप कार्यालय में आयोजित एक बैठक में लिया गया। संगठन ने बताया कि वह आगामी फलैदा कट, यमुना एक्सप्रेसवे पर होने वाले विशाल धरने में सक्रिय रूप से भाग लेकर अपनी एकजुटता दिखाएगा। किसान एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सोरन प्रधान ने सर्वसम्मति से यह घोषणा की। सोरन प्रधान ने जानकारी दी कि भाकियू (लोक शक्ति) पिछले कई दिनों से किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए आंदोलन कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसानों के हक और अधिकार की इस लड़ाई में किसान एकता संघ हमेशा अग्रणी भूमिका निभाएगा। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य, बिजली-पानी की सुविधा और भूमि अधिग्रहण के मुआवजे जैसी बुनियादी समस्याओं का समाधान मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा। बैठक की अध्यक्षता जोरा भाटी ने की और संचालन प्रमोद शर्मा ने किया। इस अवसर पर देशराज नागर, वनीस प्रधान, शौकत अली चेची, आसिफ प्रधान, प्रमोद शर्मा, विक्रम नागर, पप्पे नागर, जेपी नागर, उमरू प्रधान, दुर्गेश शर्मा, वीके चौधरी, कृष्णा मास्टर, डॉ. इरफान, हेमराज बीडीसी, सुभाष भाटी सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्रामीण में यूथ क्लब डोडहर व शहरी में चतरा ने जीता दो दिवसीय बालीबाल का खिताब

अमल लेखनी समाचार

बीजपुर (सोनभद्र) युवा जन कल्याण सेवा संस्थान डोडहर के तत्वावधान में दो दिवसीय अंतरराज्यीय बालीबाल का फाइनल मुकाबला रविवार को बड़े ही रोमांचक ढंग से संपन्न हुआ। युवा जन कल्याण सेवा संस्थान के संस्थापक राजेश कुमार ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य बालिका सशक्तिकरण एवं ग्रामीण उत्थान तथा नशा मुक्त समाज को बढ़ावा देना हैं। सर्वप्रथम प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि मानसिंह गोड़ विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी अमरेश तिवारी अपने सह अतिथियों के साथ खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके खेल को शुरू कराया। पहला ग्रामीण बालीबाल का फाइनल मुकाबला यूथ क्लब डोडहर और संघर्ष फ्रेंड्स क्लब बखरिहवा के बीच बेस्ट आफ थ्री का मैच खेला गया जिसमे डोडहर ने बखरीहवा को सीधे दो सेट 21-19 व 21-18 से हराकर ट्राफी पर कब्जा कर लिया। बालिका वर्ग में हुए प्रतियोगिता में तृतीय स्थान पर टीम मोखना, द्वितीय स्थान पर टीम डोडहर, एवं प्रथम स्थान पर टीम रिहंद विजेता रही। वही शहरी बालीबाल के महामुकाबले के पहले सेमीफाइनल में सिध्धीकला ने तियरा को 9-21,21-17,15-21 से हराया और दुसरे सेमीफाइनल मुकाबले में चतरा ने अनपरा को 21-16,21-12 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल के संघर्ष पूर्ण मुकाबले में चतरा ने सिधिकला को 18-21,21-9,21-19 से हराकर ट्राफी पर कब्जा कर लिया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका रामप्रताप और संजीव सिंह उदघोषक-रामचरन पनिका की अहम भूमिका रही।

परतावल सीएचसी का संयुक्त निदेशक ने किया निरीक्षण

अमल लेखनी समाचार

परतावल (महराजगंज) संयुक्त निदेशक ए०के०गर्ग के साथ मंडलीय कार्यक्रम प्रबंधक अरविंद कुमार पांडेय ने सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परतावल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की विभिन्न व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। फैमिली प्लानिंग बॉक्स खाली मिला, वहीं दंत रोग विभाग में दांत भरने का मसाला उपलब्ध पाया गया। निरीक्षण के दौरान महिला आयुष चिकित्सक, स्त्री एवं प्रसूति विशेषज्ञ डॉ. शालिनी सिंह की कार्यप्रणाली की प्रशंसा की गई। बताया गया कि उनके कार्यभार संभालने के बाद से परतावल सीएचसी में उपचार व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है। संयुक्त निदेशक ने बायोमेडिकल वेस्ट संग्रह कक्ष का भी निरीक्षण किया, जो पूरी तरह से साफ-सुथरा और व्यवस्थित पाया गया। उन्होंने इस पर संतोष व्यक्त किया और अन्य विभागों में भी इसी तरह स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। इस दौरान सीएचसी अधीक्षक डॉ. अनिल जायसवाल, डॉ. दुर्गेश सिंह, डॉ. शालिनी सिंह, डॉ. श्रीप्रकाश श्रीवास्तव, डाटा ऑपरेटर संजीव सिंह, बीसीपीएम अमित गौड़ समेत समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

आर पी यादव अध्यक्ष राकेश शरण बने महासचिव

(उत्तर प्रदेश कर अधिवक्ता संगठन का सत्र 2025 से 2028 का चुनाव संपन्न)

(प्रदेश भर के अधिवक्ताओं ने दी बधाई)

अमल लेखनी समाचार

सोनभद्र। कर अधिवक्ताओं के मान सम्मान के लिए जो बन सकेगा करूंगा एवं कर अधिवक्ताओं की हर समस्या का समाधान करने का प्रयास करूंगा उक्त बातें विगत 7 नवंबर को हरिद्वार के प्रेमनगर आश्रम में आयोजित तीन दिवसीय चुनाव के संपन्न होने के बाद उत्तर प्रदेश कर अधिवक्ता संगठन (पंजीकृत) लखनऊ के नव निर्वाचित अध्यक्ष आर पी यादव ने अपने पद की शपथ लेने के बाद प्रदेश के कर अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कही। वहीं संगठन के नव मनोनीत महासचिव सोनभद्र के वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश शरण मिश्र ने कहा कि मुझे जो जिम्मेदारी दी गई है उसका निर्वहन पूरी ईमानदारी से करूंगा और प्रदेश के कर अधिवक्ताओं के सम्मान को बढ़ाने के लिए हर संभव कोशिश करूंगा। विदित हो कि विगत दिनों 5 नवंबर से 7 नवंबर तक हरिद्वार में उत्तर प्रदेश कर अधिवक्ता संगठन पंजीकृत लखनऊ का तीन दिवसीय चुनाव संपन्न हुआ जिसमें चुनाव में चार उपाध्यक्ष एवं चार संयुक्त सचिव और पच्चीस कार्यकारणी सदस्यों का चुनाव मतदान द्वारा किया गया। जिसमें संगठन के महासचिव पद पर सोनभद्र के वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश शरण मिश्र एवं कोषाध्यक्ष पद पर मथुरा के कर अधिवक्ता विपिन कुमार अग्रवाल को नव निर्वाचित अध्यक्ष आर पी यादव द्वारा मनोनीत किया गया। उपाध्यक्ष पद पर गाजियाबाद से कर अधिवक्ता अमित शर्मा, प्रतापगढ़ से विश्वनाथ मिश्रा, ललितपुर से शैलेन्द्र जैन एवं देवबंद से नितिन गोयल निर्वाचित हुए वहीं संयुक्त सचिव पद पर कानपुर कर अधिवक्ता शशिकांत अग्निहोत्री, सहारनपुर से दीपक जैन, मुरादाबाद से राजदीप गोयल एवं मथुरा से आशीष लवानिया निर्वाचित घोषित किए गए। सोनभद्र के वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश शरण मिश्र के महासचिव निर्वाचित होने पर सोनभद्र के वरिष्ठ कर अधिवक्ता उमापति पांडेय, दी सोनभद्र टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश कुमार पांडेय, महामंत्री फैजान अंसारी, अधिवक्ता राकेश श्रीवास्तव, अधिवक्ता नवीन पांडेय, अधिवक्ता कृष्ण कांत तिवारी, अधिवक्ता आशुतोष कुमार पाठक, अधिवक्ता धीरज कुमार पांडेय, अधिवक्ता अनिल कुमार पांडेय, अधिवक्ता दिनेश कुमार धर, अधिवक्ता अखिलेश दत्त मिश्र, अधिवक्ता प्रदीप धर दिवेदी, अधिवक्ता जनार्दन पांडेय, अधिवक्ता महेश कुमार पांडेय, अधिवक्ता जे एन चौबे सहित सैकड़ों अधिवक्ताओ श्री मिश्र को अपनी शुभकामनाएं दी है। श्री मिश्र ने अधिवक्ता साथियों द्वारा दी गई शुभकामनाओं के लिए सभी का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त किया है।

गौशाला पर गंदगी देखकर भड़के विश्व हिंदू परिषद कार्यकर्ता पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की

अमन लेखनी समाचार

माधौगंज, हरदोई। विकास खण्ड की ग्राम पंचायत टेढिया बरहस में सोमवार की शाम विश्वहिंदू परिषद व बजरंगदल के कार्यकर्ता गौशाला पहुँचकर गौ माता को फल व मिष्ठान खिलाया। उन्होंने गौशाला में भ्रमण कर देखा की गायों की चन्नी में सूखा भूसा पड़ा है चोकर पानी नही है। गौशाला परिसर में मृत पड़े गोवंशों के कंकाल पड़े है पीने के लिए बनायी गयी सीमेंट की टँकी में कीचड़ व गंदगी भरी है। उन्होंने केयर टेकर से इसकी जानकारी करनी चाही तो वह गोल मोल जबाब देते हुए गौशाला के गेट में ताला लगाकर भाग गया। गो सेवक उसे पुकारते रहे लेकिन उसने नही सुना। तब गांव के प्रधान के नंबर से उसकी शिकायत की लेकिन प्रधान ने कोई संज्ञान नही लिया। ग्रामपंचायत अधिकारी संजीव कुमार को फोन करने पर उन्होंने गौशाला पहुँचकर ताला खुलवाया। बजरंगदल व विश्वहिंदू परिषद के कार्यकर्तों ने 112 पर शिकायत दर्ज कराई। थाने पहुँचे विश्वहिंदू परिषद व बजरंगदल कार्यकर्ता संदीप कुमार, महेंद्र सिंह, अमित गुप्ता जय सिंहः रिंकू पांडे, प्रभास, अंकित सिंहः, दियाँशु राठौर आदि ने केयर टेकर व ग्राम प्रधान के विरुद्ध तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की।

आवारा सांड ने 11 को पटका 2 की मौत, सांड के हमले से घायल 3 मेडिकल कॉलेज में भर्ती, दो रेफर

अमल लेखनी समाचार

हरदोई। जिले में एक आवारा सांड ने अलग-अलग स्थान पर 11 लोगों पर हमला कर दिया इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई जबकि अन्य लोग घायल हैं जिनमें से तीन को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है जबकि दो लोगों को लखनऊ रेफर किया गया है। घटना उस समय हुई जब लोग खेतों पर काम कर रहे थे वहीं घटना में घायल हुए घायलों का उपचार किया जा रहा है। आवारा सांड के हमले में दो लोगों की मौत और अन्य के घायल होने की यह घटना हरियांवा थाना क्षेत्र की है।यहां सांड ने आज 11 युवकों पर हमला कर दिया।सांड ने हरियावां निवासी मझिले अवस्थी पर हमला किया। मझिले अवस्थी को इलाज के लिए हरदोई भेजा गया जहा चिकित्सक ने लखनऊ भेज दिया रास्ते में ले जाते समय मौत हो गई। इसके बाद उसी सांड ने कुरसेली तिराहे पर खेरिया निवासी एक अन्य युवक को भी निशाना बनाया।हमले में एक युवक रामदयाल की भी मौत हो गयी।11 घायल युवकों में श्याम लखन, नन्हे मिश्रा और बबलू माली, निवासी हरियावां व एक भैंस भी घायल है।वही खेरिया निवासी आदेश श्रीवास्तव शामिल हैं।वही हरियावां क्षेत्र के उतरा गांव में भी 4 युवक गंभीर रूप से घायल है जिनका नाम प्रभु गुप्ता, सीताराम गुप्ता, बड़कौनू सिंह, मिश्री लाल कहरी आदि लोग घायल है इसी क्रम में जतुली के 3 लोग रामदयाल, सूरज बॉक्स, सुमिता घायल है सभी घायलों का उपचार चल रहा है।

साइबर क्राइम पुलिस थाना सोनभद्र द्वारा 25,000/- की धनराशि वापस करायी गयी

अमल लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में चलाये जा रहे ह्लसाइबर अपराधियों के विरुद्ध विशेष अभियानह्व तथा अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) एवं क्षेत्राधिकारी के पर्यवेक्षण में, थाना प्रभारी साइबर क्राइम पुलिस थाना सोनभद्र के कुशल नेतृत्व में थाना साइबर टीम द्वारा एक सराहनीय कार्य किया गया है। आवेदिका दिव्या पुत्री अशोक कुमार निवासी ग्राम नागनार हरैया मधुपुर, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बीमारी के नाम पर फोन कर 25,000/- की धनराशि ट्रांसफर करा ली गयी थी। उक्त प्रकरण में आवेदिका द्वारा ठउफढ पोर्टल पर शिकायत दर्ज करायी गयी थी। साइबर क्राइम टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए पोर्टल से आवश्यक जानकारी प्राप्त कर खाताधारक से संपर्क किया गया, जिसके परिणामस्वरूप 25,000/- की पूरी धनराशि आवेदिका के मूल खाते में सफलतापूर्वक वापस करायी गयी।

रायपुर पुलिस द्वारा चोरी की मोटरसाइकिल के साथ 04 अभियुक्तगण को किया गया गिरफ्तार

अमल लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) तथा क्षेत्राधिकारी सदर राज सोनकर के पर्यवेक्षण में जनपद सोनभद्र में चोरी पर प्रभावी रोकथाम लगाने तथा चोरी की घटनाओं के शीघ्र अनावरण व उसमें संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना रायपुर पुलिस द्वारा चोरी की मोटरसाइकिल बरामद करने एवं संलिप्त चार अभियुक्तगण की गिरफ्तारी में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। आज दिनांक 10.11.2025 को थाना रायपुर पुलिस द्वारा कजियारी मोड़ पर संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहनों की चेकिंग की जा रही थी, इसी दौरान चोरी की एक हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल के साथ चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। उक्त मोटरसाइकिल के संबंध में थाना रायपुर पर मु0अ0सं0 151/25 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत है। गिरफ्तार अभियुक्त प्रदीप कुमार ने पूछताछ के क्रम में बताया कि उक्त मोटरसाइकिल को दिनांक 20.10.2025 की रात में ग्राम दूबेपुर वैनी निवासी घिस्सू उर्फ कलामुद्दीन पुत्र दुक्खू के साथ मिलकर चोरी की गयी थी। घटनाक्रम के अनुसार अभियुक्तगणों ने पोखरा बैनी गेट से एक नई हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चोरी की तथा उसे छिपाकर रखने के बाद अनुज कुमार (निवासी रामपुर कमहारिया) व उसके साथियों गोलू कुमार एवं आकाश कुमार को बुलाया। सभी अभियुक्त मोटरसाइकिल को लेकर भभुआ व सासाराम (बिहार) तक गये तथा उसे बेचने का प्रयास किया, किंतु असफल रहे। बाद में मोटरसाइकिल को भभुआ में एक दुकानदार के यहां मरम्मत के बहाने खड़ा कर दिये और पुनः सोनभद्र लौट आये। आज पुनः वही मोटरसाइकिल लेकर आते समय पुलिस द्वारा पकड़ लिये गये। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि पहचान से बचने हेतु मोटरसाइकिल का नंबर प्लेट हटा दिया गया था तथा चेचिस नंबर रेती से रगड़ दिया गया था। उक्त बरामदगी के सम्बन्ध में पंजीकृत अभियोग में धारा 303(2), 317(2), 318(4), 338, 336(3), 340(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गयी है।

पुलिस अधीक्षक, सोनभद्र द्वारा जनता दर्शन में आए फरियादियों की सुनी गई समस्याएं

प्राप्त जन शिकायतों के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश।

अमल लेखनी समाचार

सोनभद्र। आज दिनांक 10.11.2025 को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन में फरियादियों की समस्याओं एवं शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों के शीघ्र, गुणवत्तापूर्ण एवं निष्पक्ष निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक महोदय ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई व महिला हेल्पडेस्क को अधिक प्रभावशाली और संवेदनशील बनाया जाए, ताकि आमजन को बार-बार पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न पड़े तथा उनकी समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही हो सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिन शिकायतों का निस्तारण थाना स्तर पर संभव है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से निष्पादित किया जाए। इसी क्रम में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारीगण एवं थाना प्रभारियों द्वारा भी अपने-अपने कार्यालयों/थानों पर जनसुनवाई करते हुए आमजन से प्राप्त शिकायतों का त्वरित व प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे पुलिस व जनता के मध्य विश्वास और सहयोग की भावना और अधिक सुदृढ़ हो सके।

रॉबर्ट्सगंज पुलिस व एसओजी/सर्विलांस टीम द्वारा चोरी के जेवरात के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

24 लाख मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात बरामद

अमल लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में चलाये जा रहे अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार तथा क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर कुमार मिश्रा के नेतृत्व में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस व एसओजी टीम को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है।संयुक्त टीम द्वारा चोरी की घटना का अनावरण करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया तथा उसके कब्जे से 131 ग्राम सोने के आभूषण एवं 02.900 किलोग्राम चांदी के जेवरात (कुल कीमत लगभग ?24,00,000/-) बरामद किये गये हैं। आवेदक गिरीश कुमार सोनी पुत्र श्यामनाथ सोनी निवासी ग्राम व पोस्ट वाड्रफनगर, थाना बसंतपुर, जिला बलरामपुर (छत्तीसगढ़) ने थाना रॉबर्ट्सगंज पर तहरीर दी थी कि दिनांक 15.10.2025 को वह व्यापार के सिलसिले में वाराणसी गया था। उसी दिन रात्रि 20:25 बजे उसने टेंगरा मोड़, वाराणसी से वाड्रफनगर के लिए बस पकड़ी, साथ में उसका रिश्तेदार रामेश्वर सोनी पुत्र जगदीश सोनी भी था। आवेदक के पास एक बैग में लगभग 140 ग्राम सोने के जेवरात एवं 3 किलोग्राम चांदी के सामान थे। दिनांक 16.10.2025 को जब वह वाड्रफनगर उतरा तो पाया कि बैग से सोने व चांदी के जेवरात गायब हैं। इस संबंध में वाड्रफनगर पुलिस द्वारा तत्काल चेकिंग की गयी, किंतु कोई सुराग नहीं मिला। घटना के संबंध में थाना रॉबर्ट्सगंज पर मु0अ0सं0 1078/2025 धारा 303(2) बीएनएस का अभियोग पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ की गयी। दिनांक 08.11.2025 को रात्रि लगभग 21:20 बजे, थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस, एसओजी व सर्विलांस टीम द्वारा इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के विश्लेषण एवं मुखबिर की सटीक सूचना के आधार पर अभियुक्त सफीक खान पुत्र हसन अली निवासी खेरवाजगीर, थाना मानवर, जिला धार (मध्यप्रदेश) को टोंकी रोड, थाना मनावर, जनपद धार (मध्यप्रदेश) से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के समय अभियुक्त के कब्जे से सोने एवं चांदी के जेवरात बरामद किये गये, जिन्हें वह बेचने के लिए ले जा रहा था। गिरफ्तार अभियुक्त सफीक खान पुत्र हसन अली निवासी खेरवाजगीर, थाना मानवर, जिला धार (मध्यप्रदेश) ने बताया कि वह अपने तीन साथियों जाबिर, अशफाक एवं आबिद के साथ जनपद धार से वाराणसी आया था। दिनांक 15.10.2025 को टेंगरा मोड़ वाराणसी से ही उन्होंने पीड़ितों का पीछा करना शुरू किया।

साइबर सुरक्षा एवं जागरुकता, नारी सशक्तिकरण नये आपराधिक कानूनों के प्रति जन-जागरूकता का आयोजन

डी.आर. ड्रीम्स होटल, गंगुआर, रॉबर्ट्सगंज (वाराणसीझ्रशक्तिनगर मार्ग)।

दिनांक:- 11 नवम्बर 2025
समय: प्रातः 11:00 बजे।

अमल लेखनी समाचार

सोनभद्र। में साइबर अपराधों से बचाव, महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण (मिशन शक्ति) तथा नए कानूनों के संबंध में आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ (ठं३ङ्गल्लं रीू४१३८ ए७स्री१३) अमित दुबे द्वारा डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव तथा साइबर सुरक्षा के व्यावहारिक उपायों पर उपयोगी जानकारी प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम का आयोजन अपर पुलिस महानिदेशक, वाराणसी जोन पीयूष मोर्डिया, पुलिस महानिरीक्षक विन्ध्याचल परिक्षेत्र आर.पी. सिंह तथा पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन एवं गरिमामयी उपस्थिति में किया जाएगा। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार, क्षेत्राधिकारीगण सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि, महिला पुलिस कर्मी एवं आमजन उपस्थित रहेंगे कार्यक्रम में मिशन शक्ति के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन से जुड़ी पहलें तथा महिलाओं के प्रति साइबर अपराधों से बचाव के उपायों पर भी चर्चा की जाएगी। साथ ही नए कानूनों के महत्वपूर्ण प्रावधानों के बारे में नागरिकों को सरल भाषा में जानकारी दी जाएगी। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा ने आमजन, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं पत्रकार बंधुओं से अपील की है कि वे इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर साइबर सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण एवं विधिक जागरूकता से संबंधित जानकारी प्राप्त करें एवं उसको लोगों तक पहुँचाने में सहभागिता निभायें।

पिपरी पुलिस व ANTF टीम की संयुक्त कार्रवाई में 390 ग्राम हेरोइन बरामद, एक अभियुक्त गिरफ्तार

बरामद मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत लगभग 78 लाख।

अमल लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री के विरुद्ध विशेष अभियान के क्रम में को दिनांक 10.11.2025 को थाना पिपरी पुलिस एवं ANTF टीम को मुखबिर खास के द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि नवकुटिया तुर्रा की ओर से एक व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ लेकर आ रहा है। प्राप्त सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तत्परता से कार्रवाई करते हुए बताए स्थान पर घेराबंदी कर एक अभियुक्त सौरभ कुमार सोनी पुत्र मुन्ना सोनी निवासी डिबुलगंज दुर्गा मंदिर, थाना अनपरा, जनपद सोनभद्र (उम्र 24 वर्ष) को गिरफ्तार कर कब्जे से 390 ग्राम नाजायज हेरोइन (अनुमानित अंतरराष्ट्रीय कीमत लगभग 78,00,000/-), 520 नकद, एक मोटोरोला मोबाइल फोन एवं मोटरसाइकिल नंबर वढ64 अङ 4943 बरामद की गयी। उक्त उक्त बरामदगी व गिरफ्तारी के आधारा पर थाना पिपरी पर मु0अ0सं0 222/2025, धारा 8/20/29/60 ठऊढर अू३ के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है। आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पूछताछ में अभियुक्त सौरभ कुमार सोनी ने बताया कि वह अपने गाँव के सूरज कुमार गुप्ता पुत्र राम नरेश गुप्ता निवासी डिबुलगंज, थाना अनपरा से हेरोइन प्राप्त करता था। सूरज गुप्ता मोबाइल फोन पर संपर्क कर उसे बताता था कि किसे और कहाँ नशे की खेप देनी है। अभियुक्त के अनुसार, उसी निर्देश पर वह 10 नवम्बर को वितरण के लिए निकला था, किन्तु रास्ते में पुलिस द्वारा पकड़ लिया गया।

रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा शान्ति व्यवस्था भंग कर रहे 08 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध की गयी कार्यवाही

अमल लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के पर्यवेक्षण में जनपद में शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु वांछित/फरार/ईनामिया अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं अपराध की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा शान्ति व्यवस्था भंग करने की प्रबल सम्भावना के दृष्टिगत निरोधात्मक कार्यवाही की गयी। दिनांक 10.11.2025 को थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा भिन्नझ्रभिन्न स्थानों से धारा 170/126/135 बीएनएसएस में कुल 08 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर आवश्यक निरोधात्मक कार्यवाही की गई।

गाजीपुर एसपी ने मृतक मुख्य आरक्षी के परिवार को दिया पुलिसकर्मियों के योगदान से 25.53 लाख रुपये की आर्थिक सहायता

अमल लेखनी समाचार

गाजीपुर के सुहवल थाने में तैनात मुख्य आरक्षी धर्मेंद्र कुमार सिंह की आकस्मिक मृत्यु के बाद, पुलिस अधीक्षक डॉ. ईरज राजा ने उनके आश्रित परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए आर्थिक सहायता प्रदान की। सोमवार को एसपी ने जिले के समस्त पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के योगदान से एकत्रित 25,53,919 रुपये की धनराशि का चेक मृतक मुख्य आरक्षी की पत्नी को सौंपा।पुलिस विभाग के सूत्रों के अनुसार, यह राशि विभाग की एकता और सहयोग का प्रतीक है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कहा, हमारा साथी परिवार आज हमारे साथ नहीं है, लेकिन उसकी याद और योगदान हमारे साथ रहेगा। हमारी कोशिश है कि इस राशि से उनके परिवार को कुछ आर्थिक सहारा मिले। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि भविष्य में भी ऐसे सहयोगात्मक प्रयास जारी रहेंगे।स्थानीय पुलिसकर्मियों ने इस पहल को 'भाईचारे की मिसाल' बताया है।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह
समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह
समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।
मो. - 9838159555, 9935457982
E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

बच्चा है तो वह मासूम, भोला-भाला होगा ही, बड़ी स्वाभाविक सी बात है। लेकिन इस नए दौर में बच्चे अपनी मासूमियत खो रहे हैं, उनकी बाल सुलभ सहजता लुप्त हो रही है, इसके कुछ नकारात्मक परिणाम बच्चों के व्यक्तित्व विकास पर पड़ रहे हैं। जरूरी है अभिभावक इन्हें जानें-समझें और बच्चे की मासूमियत खोने ना दें, उनका नैसर्गिक विकास हो।

बच्चों की खोती मासूमियत कैसे सहेजें हम

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

बच्चे, अब बच्चों जैसे नहीं रहे। बालमन की मासूमियत गुम हो रही है। अब तो बच्चों के खेल-खिलौने ही बदल गए हैं। कैसी भाषा बोलने लगे हैं, आजकल के बच्चे? अब तो घर के छुटके सदस्य किसी की सुनते ही नहीं। ऐसी बातें घर-घर का किस्सा हैं। घर के बड़े-बुजुर्ग हों या बच्चों के अभिभावक, चिंतित भी हैं और चकित भी। कभी आने वाले कल से जुड़े भय के चलते तो कभी आज की उलझनों के कारण, बच्चों के बदलते बर्ताव की चर्चा हर ओर हो रही है।

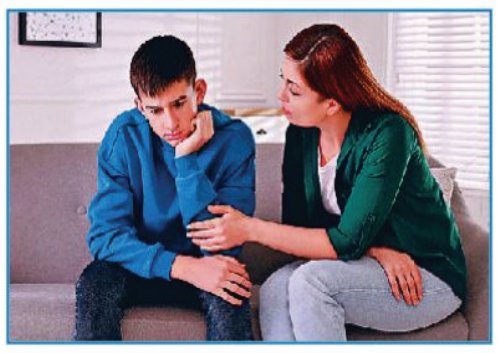

समझना होगा बच्चों के मन का हाल

वक्त के साथ लाइफस्टाइल से लेकर तकनीक के इस्तेमाल तक, हर चीज में बदलाव आएगा ही। इन बदलावों संग ही सकारात्मक परवरिश की राह निकालनी होगी। अभिभावक को बच्चों के मन का हाल समझना होगा। उनके व्यवहार पर गौर करते हुए सोच की बदलती दिशा की थाह लेनी होगी। समय के साथ सधी कदमताल ही बचपन की मासूमियत सहेज सकती है। साथ ही नई पीढ़ी को अपडेट रखने के लिए भी एक संतुलित रास्ता चुनना आवश्यक है। बच्चों के लिए तो सब कुछ नया-सा होता है। स्कूल जाने पर सीखने-पढ़ने की नई खिड़की खुलती है। आस-पड़ोस का मेलजोल, घर के बाहर लोगों के व्यवहार से जुड़े अच्छे-बुरे तौर-तरीकों से मिलवाता है। ऐसे में बच्चे कभी कुछ जान-बूझकर सीखते हैं तो कभी अनजाने ही किसी के बर्ताव को दोहराने लगते हैं। बावजूद इसके बच्चों को अपने परिवेश से दूर नहीं रखा जा सकता। खेलकूद या मेलजोल पर पाबंदी नहीं लगाई जा सकती। ऐसे में अभिभावक को ठहराव के साथ उनका हाथ थामना होगा। समय के साथ आ रहे बदलावों के प्रति 'सार-सार को गहि रहै, थोथा देई उड़ाय' का भाव शुरुआती पड़ाव पर ही उनके मन में भरना होगा। ध्यान रहे कि हर परिस्थिति को लेकर शिकायत करना इंसान को सीमाओं में बांधता है। इसीलिए मौजूदा दौर में अभिभावक को एक बैलेंस बनाना होगा। जीवन की डगर पर बच्चों का हाथ थामकर एक सधी कदमताल करनी होगी। बालमन को नकारात्मकता से बचाने के लिए समझाइश देनी होगी। बच्चों के मन में सकारात्मक बातों-बर्ताव को अपनाने वाली खुली सोच को पोसना होगा।

सकारात्मक जुड़ाव ही है हल

संपर्क में आने वाले लोग हों या इस्तेमाल की जा रही सुविधाएं। बच्चे, सही या गलत का फर्क नहीं कर सकते। उनका मासूम मन लाभ या हानि का गणित नहीं समझता। हालिया वर्षों में तकनीक द्वारा बालमन का दिशाहीन होना एक बड़ी चिंता बन गया है। अभिभावक बच्चों को टेक्निकल गैजेट्स का सही इस्तेमाल करना सिखाएं। साथ ही खुद भी स्क्रीन के संसार में खोने के बजाय इस मामले में अनुशासन बरतें। स्पेन की यूनिवर्सिटी नेब्रिजा में हुए एक अध्ययन के मुताबिक स्क्रीन टाइम बच्चों के लिए नुकसानदेह और फायदेमंद दोनों साबित हो सकता है। यह अध्ययन कहता है कि स्क्रीन के बहुत अधिक और अनियंत्रित इस्तेमाल से बच्चों का फोकस कम होता है। बच्चों के भाषा सीखने और भावनात्मक विकास में बाधा आ सकती है। नेब्रिजा यूनिवर्सिटी का यह अध्ययन बताता है कि अगर स्क्रीन का उपयोग, एजुकेशनल कंटेंट और परिवार के साथ इंटरैक्शन के लिए किया जाए तो बच्चों के दिमागी विकास, ध्यान और भाषा में सुधार कर सकता है। यही बात खेल, सामाजिक मेल-मिलाप, खान-पान और लाइफस्टाइल से जुड़ी दूसरी आदतों पर भी लागू होती है। बच्चे जो भी करें, उस फील्ड से जुड़े लोगों से ही नहीं, उस एक्टिविटी से भी एक पॉजिटिव कनेक्ट रखना सिखाएं।

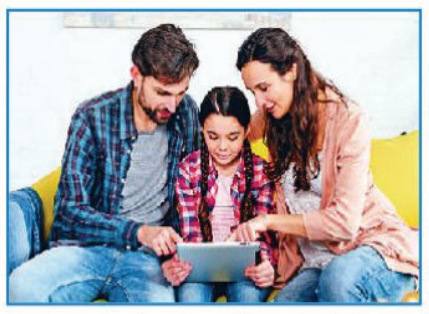

सभी की भूमिका अहम

क्या सिर्फ बच्चे ही बदले हैं? अनुशासनहीनता और आक्रोश ने केवल बालमन को ही नहीं घेरा है, घर में बड़ों की बात सुनने-समझने में कोताही करने वाले केवल बच्चे ही तो नहीं? ऐसे बहुत से सवालों को लेकर अभिभावकों को गंभीरता से सोचना होगा। इन बातों-हालातों पर गहराई से सोचे बिना बच्चों की मासूमियत को नहीं सहेजा जा सकता। बच्चों के बचपन का गुम होना, बड़ों के बदलते जीवन पर भी प्रश्न उठाता है। बालमन का भ्रमित होना बड़ों की प्राथमिकताओं से उनके गायब हो जाने की भी बानगी है। घर से छुटके सदस्यों का चुप्पी चुन लेना, बड़ों से संवाद कम होने का भी नतीजा है। कहीं काम-काजी आपा-धापी में फंसे पैरेंट्स कुछ कहने से पहले ही बच्चों को जज कर रहे हैं तो कहीं मम्मी-पापा के रिश्ते में आते अलगाव की आंच मासूम मन को झुलसा रही है। अनगिनत सुविधाओं से घिरे बच्चे अकेले से लगते हैं। मशीनों के साथ पलते बच्चे मन के मोर्चे पर उदासी के घेरे में हैं। स्कूलों में दूसरी एक्टिविटीज के बोझ तले दबे टीचर्स, बच्चों से जुड़ाव नहीं बना पा रहे। आस-पड़ोस के दरवाजे ही नहीं, मन से जुड़ने के रास्ते भी बंद हैं। बदलावों के नाम पर बनी इस अजब-गजब दुनिया में बच्चे खोए से खड़े हैं। ऐसे में उनका साथ देने की जिम्मेदारी पैरेंट्स, टीचर्स और नेबर्स सभी की है। कहा जाता है कि 'इट टेक्स अ विलेज टू रेज अ चाइल्ड' यानी परिवार ही नहीं, पूरा परिवेश चाहिए होता है एक बच्चे को बड़ा करने के लिए। स्कूल, खेल का मैदान, ट्यूशन सेंटर या घर-आंगन, बचपन को सहेजने के लिए परवरिश की साझी जिम्मेदारी हर जगह मौजूद लोगों को समझनी होगी।

ज्यादा लाड़-प्यार से बिगड़ता है बच्चों का बर्ताव

सभी पैरेंट्स अपने बच्चों को खूब दुलार करते हैं, उनकी हर इच्छा पूरी करना चाहते हैं। लेकिन जरूरत से ज्यादा लाड़-प्यार बच्चों के बर्ताव को बिगाड़ सकता है, इसलिए सजग रहना जरूरी है।

रखें ध्यान

चैतन्या

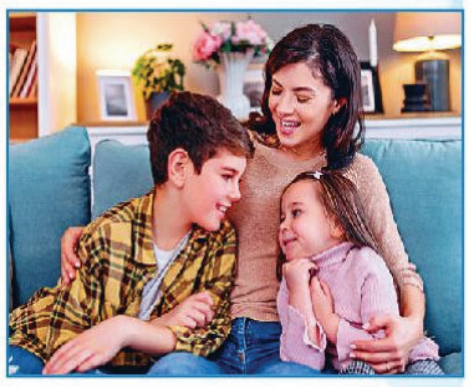

अधिकतर पैरेंट्स अपने बच्चों को प्यार करने में कोई कमी नहीं रखना चाहते। घर के छोटे सदस्यों के प्रति यह लाड़-प्यार जरूरी भी है। प्यार-दुलार का यही व्यवहार दो पीढ़ियों के जुड़ाव को मजबूत करता है, लेकिन नेह भरा यह बर्ताव उस समय परेशानी का कारण बन जाता है, जब बच्चों की हर बात मान लेना ही प्यार जताना समझ लिया जाए। हर मामले में बच्चों के कहे मुताबिक पैरेंट्स, खुद को ढालने-बदलने लगें। समझना जरूरी है कि हद से ज्यादा लाड़-प्यार पाने के इन हालातों में बच्चे, अपने से बड़े पारिवारिक सदस्यों की बात सुनने-मानने की प्रवृत्ति भी खोने लगते हैं। इसीलिए बच्चों की परवरिश में लाड़-प्यार की भी एक सीमा आवश्यक है। शुरू से ही ऐसा ना किया जाए तो बच्चे बहुत-सी मानसिक और व्यावहारिक समस्याओं के घेरे में आने लगते हैं।

मूड स्विंग्स का शिकार: हद से ज्यादा प्यार मिलने से बालमन इमोशनल रेग्युलेशन नहीं सीख पाता। ऐसे बच्चे, अपनी इच्छाओं और भावनाओं के आगे पैरेंट्स के किसी तर्क या समझाइश को नहीं मानते हैं। पैरेंट्स का हद से ज्यादा प्यार पाने वाले बच्चों में मूड स्विंग्स ज्यादा होते हैं, जो जीवन के शुरुआती पड़ाव पर ही उन्हें दिशाहीन करने लगते हैं। ऐसे में बड़ों का भी समय रहते चेत जाना जरूरी है। मन-मुताबिक सब करने-चाहने की आदत बन जाने के बाद उनके मूड स्विंग्स को मैनेज करना मुश्किल हो जाता है। बात-बात पर बच्चों की बदलती मनःस्थिति, पैरेंट्स को सजग करने वाला पक्ष है। इस बर्ताव से उनको समझना चाहिए कि बच्चे को जरूरत से ज्यादा ही लाड़-प्यार मिल रहा है। समझाइश को मानने और मन की करने-करवाने से दूर होते बच्चों के पैरेंट्स को संतुलित परवरिश की राह चुननी चाहिए। इसीलिए शुरुआती कदम पर ही याद रखें कि लाड़-प्यार की अति, बच्चों को मूड स्विंग्स का शिकार बनाने वाली होती है।

टीम वर्क से दूरी : पैरेंट्स द्वारा मन-मुताबिक सब कुछ करने देने की छूट पाने वाले बच्चे, टीम वर्क नहीं कर पाते। पढ़ाई हो या सामाजिक-पारिवारिक गतिविधि, कोई प्रेशर नहीं सह पाते। हमारे परिवारों में आमतौर पर बच्चों से दुलार करने का मतलब उन्हें गलत व्यवहार से ना टोकना, बुरी भाषा बोलने से ना रोकना और जिद्दी बर्ताव करने पर सख्ती ना करने से लिया जाता है। बच्चों के हर तरह के नकारात्मक व्यवहार की यह सहज स्वीकार्यता उन्हें और आक्रामक बना देती है। समझना मुश्किल नहीं कि घर हो या स्कूल, यह आक्रामकता उनमें मिलजुल कर काम करने की सोच नहीं आने देती है। साथ ही किसी बच्चे का यह बर्ताव देख, दूसरे बच्चे भी उससे दूरी बनाने लगते हैं। पैरेंट्स के सामने की जाने वाली जिद के समान ही बच्चे घर से बाहर भी मिल-जुलकर कोई एक्टिविटी करने के बजाय अपनी बात मनवाने पर अड़ने का रुख अपनाते हैं। ऐसी स्थितियां बच्चों को रचनाशीलता से दूर करती है। क्लास हो या खेल का मैदान, साझी गतिविधियों में अपनी ही जिद मनवाने की मानसिकता के चलते बच्चे ना तो क्रिएटिव बन पाते हैं और ना ही कुछ नया सीखने में रुचि लेते हैं।

अशिष्ट और स्वार्थी बर्ताव: लाड़-प्यार की अति से जुड़ी समस्याओं का खामियाजा बच्चों के पूरे व्यक्तित्व को प्रभावित करता है। पैरेंट्स की हद से ज्यादा उदारता से हर बात में बहस करना, बच्चों की आदत में शुमार हो जाता है। इससे उनका व्यक्तित्व ही नहीं आने वाला जीवन भी प्रभावित होता है। शुरू से ही 'न' सुनने की आदत ना डाली जाए तो एक समय के बाद माता-पिता भी बच्चों के व्यवहार को नियंत्रित नहीं कर पाते। बच्चों को सही दिशा नहीं दिखा पाते। इसीलिए बच्चों के प्रति स्नेहपूरित दुलार के साथ एक सधापन शुरू से ही अपनाएं।

हालांकि अब ज्यादातर घरों में बच्चे, बड़े-बूढ़ों से कहानी सुनने में रुचि नहीं लेते। जबकि कहानियां बच्चों का मनोरंजन करती हैं, उनका ज्ञान बढ़ाती हैं, उन्हें अच्छे गुणों से संस्कारित करती हैं। बच्चों को कहानी सुनाने के फायदों के बारे में जानिए।

मनोरंजन के साथ सिखाती भी हैं कहानियां

सलाह

प्रतिभा अग्निहोत्री

कहानियां, मोबाइल और टीवी के आगमन से पहले बच्चों को जीवन के मूल्यों को सिखाने का एक सशक्त माध्यम हुआ करती थीं। रात को सोने से पहले अपनी दादी-नानी से कहानी सुनना लगभग हर बच्चे के लिए जरूरी काम हुआ करता था। इसका वे बहुत बेसब्री से इंतजार किया करते थे। लेकिन जैसे-जैसे तकनीक का विकास होता गया, वैसे-वैसे किस्से-कहानियों की सुनाया जाना कम होता गया। आज इस सबका स्थान मोबाइल फोन ने ले लिया है। बच्चे से लेकर बड़े सभी डिजिटल दुनिया में खोए नजर आते हैं, जिससे न केवल उनकी आंखें, शरीर और मानसिक क्षमता भी प्रभावित हो रही है। बच्चों की क्रियाशीलता और रचनात्मक क्षमता खत्म होती जा रही है। बच्चों के समुचित विकास के लिए उन्हें किस्से-कहानियों से परिचित कराना बहुत जरूरी है।

रचनात्मक प्रतिभा का विकास: बच्चे जब किसी भी कहानी को सुनते हैं तो वे मानसिक रूप से उसमें डूब से जाते हैं। उन्हें लगता है कि मानो अमुक घटना बिल्कुल उनके सामने ही घटित हो रही है। यही नहीं कई बार वे स्वयं को ही उस घटना का पात्र भी समझने लगते हैं। सुनते समय वे कहानी के आगे आने वाले घटनाक्रम की कल्पना करने लगते हैं, इससे उनकी कल्पनाशीलता बढ़ती है, साथ ही उनकी रचनात्मक प्रतिभा का विकास भी होता है। यही रचनाशीलता आगे चलकर उनके व्यक्तित्व और उनकी शिक्षा में भी परिलक्षित होती है।

वोकैबलरी होती है मजबूत: कहानी सुनते समय बच्चे अनेक नए शब्दों से परिचित होते हैं। वे शब्द उनके अवचेतन मन में समा जाते हैं, जिनका अकसर बच्चे अपनी बातचीत में प्रयोग करते दिखते हैं। कहानियों से न केवल बच्चों में शब्द ज्ञान यानी वोकैबलरी बढ़ती है, वे वाक्यों को बनाना और यथोचित स्थान पर उनका प्रयोग करना भी सीखते हैं।

बनते हैं अच्छे श्रोता: चूंकि कहानी सुनने के दौरान बच्चा बोलता कम और सुनता अधिक है, इससे उसमें बचपन से ही अच्छे श्रोता के गुणों का विकास होने लगता है, जो भविष्य में उसके व्यक्तित्व विकास के लिए लाभकारी सिद्ध होता है।

जीवन मूल्यों का विकास: जब भी हम बच्चों को कोई कहानी सुनाते हैं तो उन कहानियों के पात्रों के माध्यम से उनमें जीवन मूल्यों का विकास होता है। हम सही, गलत, सच और झूठ जैसे भावों से परिचित कराते हैं, जो उम्र भर उनका साथ देते हैं।

इतिहास-संस्कृति का ज्ञान: बच्चों के पास आजकल अपना एकेडमिक कोर्स ही इतना अधिक होता है कि उनके पास अलग से कुछ भी पढ़ने का समय ही नहीं होता परंतु कहानियों के माध्यम से आप उन्हें अपनी संस्कृति और इतिहास से रूबरू करा सकते हैं, इससे उनके ज्ञान में वृद्धि होती है।

अध्ययन में मददगार: कहानियां बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में सहायक तो होती ही हैं, वे उनके अध्ययन में भी बहुत मददगार होती हैं। बचपन में सुनी गईं कहानियों से बच्चे की कल्पनाशीलता बढ़ती है।

ज्ञान में वृद्धि: कहानियों के विषय चूंकि मानव, पशु-पक्षी, जीव-जंतुओं आदि से सबंधित होते हैं, सो कहानी सुनते समय बच्चे इनसे परिचित हो जाते हैं, जिससे उनके विविध विषयों के ज्ञान में वृद्धि तो होती ही है, बच्चों में विषयों को जानने की जिज्ञासा भी बढ़ती है।

(मनोवैज्ञानिक कीर्ति वर्मा से बातचीत पर आधारित)

एडवाइस

ललिता गोयल

बच्चों की ड्राय स्किन ऐसे बनेगी सॉफ्ट-ग्लोइंग

सर्दी के मौसम में बच्चों की स्किन काफी ड्राय होने लगती है। ऐसे में उनकी स्किन को एक्सट्रा केयर की जरूरत होती है। बदलते मौसम में बच्चों की स्किन की अगर सही देखभाल न की जाए, तो वो ड्राई और रफ होने लगती है। मौसम में बदलाव के कारण बच्चों के होंठ फटने लगते हैं, स्किन में ईचिंग होने लगती है। ऐसे में यहां बताए जा रहे उपायों पर गौर करना होगा।

मॉयश्चराइजर लगाएं: बच्चे को नहलाने के बाद उसकी स्किन को अच्छी तरह से पोंछने के बाद मॉयश्चराइजर लगाएं। सर्दियों में हवा में नमी कम होती है, जिससे स्किन ड्राई हो सकती है। ऐसे में बच्चे की त्वचा को मॉयश्चराइज रखने के लिए अच्छे मॉयश्चराइजर का इस्तेमाल करें।

गुनगुने पानी का यूज करें: कभी भी बच्चे को ज्यादा गर्म पानी से न नहलाएं। इससे बच्चे की स्किन का नेचुरल ऑयल कम हो सकता है। ऐसे में बच्चे के लिए हमेशा हल्के गुनगुने पानी का ही इस्तेमाल करें। गुनगुने पानी से नहलाने से एक तो बच्चे को ठंड नहीं लगेगी, वहीं साथ ही में उनकी त्वचा की नमी भी बरकरार रहेगी।

हीटर की गर्मी से करें बचाव: अकसर लोग सर्दी के मौसम में ठंड से राहत दिलाने के लिए अपने बच्चे को नहलाकर हीटर के आगे बैठा देते हैं। ऐसा करने से बचना चाहिए।

हाइड्रेशन का ध्यान रखें: बच्चे को ड्राई स्किन की प्रॉब्लम से बचाने के लिए उसे डिहाइड्रेट न होने दें। उसे पर्याप्त मात्रा में पानी और लिक्विड डाइट देती रहें।

ऑयल मसाज करें: नन्हे बच्चों की स्किन से ड्राईनेस को मिटाने के लिए, थोड़े-थोड़े समय के अंतर पर तेल से मालिश जरूर करें। इससे आपके बच्चे की स्किन से रूखापन खत्म हो जाएगा। साथ ही, बच्चे की हेल्थ भी अच्छी बनी रहेगी।

माइल्ड साबुन का करें इस्तेमाल: केमिकल्स बेस्ड साबुन का इस्तेमाल करने से बच्चों की स्किन हार्श और ड्राई हो सकती है। इसलिए बच्चे को गुनगुने पानी से स्नान कराएं और हल्का बेबी सोप या माइल्ड क्लींजर इस्तेमाल करें। नहलाते वक्त बच्चे की त्वचा पर सिर्फ एक बार ही साबुन लगाएं। बार-बार बच्चों की त्वचा पर साबुन रगड़ने से स्किन से नमी खत्म हो सकती है। नहलाने के बाद बच्चों की त्वचा को हाइड्रेट रखने के लिए बेबी लोशन या एलोवेरा जैल भी लगाएं।

सनस्क्रीन लगाएं: ज्यादातर पैरेंट्स अकसर यह गलती करते हैं कि वो धूप में बाहर ले जाते वक्त सनस्क्रीन का इस्तेमाल नहीं करते हैं। ऐसा करना बिल्कुल गलत है। धूप से सुरक्षा के लिए बच्चों की त्वचा पर सनस्क्रीन लगाना बहुत जरूरी होता है। इससे बच्चे की स्किन पर ड्रायनेस नहीं आती है।

(बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. प्राची से बातचीत पर आधारित)

मेडिकल सजेशन

डॉ. अशोक झिंगन

चेयरमैन-डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली

बदलती जीवनशैली, गलत खान-पान और कम फिजिकल एक्टिविटी के कारण डायबिटीज अब बच्चों में भी तेजी से बढ़ रही है। वर्ल्ड डायबिटीज-डे (14 नवंबर) के अवसर पर एक्सपर्ट डॉक्टर बता रहे हैं बच्चों में डायबिटीज होने के कारण, लक्षण और बचाव के तरीकों के बारे में।

बच्चों को भी हो सकता है डायबिटीज

डब्ल्यूएचओ ने भारत को 'डायबिटीज कैपिटल' का दर्जा दिया है। डायबिटीज एक मेटाबॉलिक बीमारी है, जिसमें शरीर के पैंक्रियाज ग्लैंड में बनने वाला इंसुलिन हार्मोन या तो पर्याप्त मात्रा में नहीं बनता या उसका असर कम हो जाता है। इंसुलिन भोजन से प्राप्त शुगर 'ग्लूकोज' को अवशोषित कर रक्त के जरिए शरीर के विभिन्न कोशिकाओं तक पहुंचाता है, जिससे सभी सेल्स सुचारू रूप से काम करते हैं और शरीर को ऊर्जा मिलती है। यह प्रक्रिया सामान्य रूप से नहीं चल पाती, तो रक्त में शुगर लेवल बढ़ जाता है। शुगर का बढ़ा हुआ स्तर लंबे समय तक बने रहने से व्यक्ति डायबिटीज का शिकार हो जाता है।

टाइप-1 डायबिटीज: यह कई कारणों से हो सकता है, जैसे वायरल फीवर के बाद संक्रमण, खाने-पीने की चीजों में मौजूद टॉक्सिन या केमिकल, मौसम परिवर्तन, प्रदूषण आदि। इनमें से किसी भी कारण से पैंक्रियाज ग्लैंड की बीटा सेल्स के खिलाफ एंटीबॉडी बनने लगती हैं, जिससे इंसुलिन बनने की प्रक्रिया प्रभावित हो जाती है या बंद हो जाती है। बढ़ी हुई ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए रोजाना प्रत्येक भोजन के बाद इंसुलिन लेना आवश्यक हो जाता है। अगर सही समय पर उचित उपचार मिले तो टाइप-1 डायबिटीज वाले बच्चे भी लंबी उम्र तक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

टाइप-2 डायबिटीज: यह फिजिकल एक्टिविटी की कमी, गलत खान-पान, मोटापा और फैमिली हिस्ट्री के कारण होती है। इसमें शरीर में इंसुलिन कम बनता है या शरीर उसे सही तरह उपयोग नहीं कर पाता। इसमें नियमित व्यायाम और संतुलित आहार लेने की सलाह दी जाती है। सुधार न होने पर दवाइयां और इंसुलिन देना आवश्यक है।

लक्षण: बार-बार यूरीन आना खासकर रात में, अधिक प्यास लगना, जल्दी थक जाना, कमजोरी, वजन कम होना, चिड़चिड़ापन, देखने में दिक्कत, पढ़ाई में मन न लगना, मूड स्विंग्स, अचानक इंफेक्शन होना, विकास प्रभावित होना, लड़कियों में पीरियड्स का अनियमित होना।

कारण: डायबिटीज का जेनेटिक फैमिली बैकग्राउंड, गर्भावस्था में मां को जेस्टेशनल डायबिटीज के कारण नवजात शिशु का 3.5 किलोग्राम से अधिक होना, अधिक स्क्रीन टाइम और कम फिजिकल एक्टिविटी। मोटापा, जंक, प्रोसेस्ड फूड और चीनी युक्त पेय पदार्थों का अधिक सेवन करना।

बचाव के उपाय

डायबिटीज से अपने बच्चों को बचाने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखें।

- बच्चों में हेल्दी ईटिंग हैबिट्स डालें।
- घर का बना संतुलित आहार दें और जंक फूड से दूर रखें।
- मीठा कम खाने को दें और नट्स, फ्रूट्स उनकी डाइट में शामिल करें।
- बच्चों के वजन और गतिविधि पर ध्यान रखें, ग्रोथ चार्ट मेंटेन करें।
- रोजाना कम से कम 60 मिनट फिजिकल एक्टिविटी के लिए बच्चे को प्रेरित करें।
- गर्भावस्था में महिलाओं को हेल्दी डाइट दें और नियमित चेकअप कराएं।
- अगर बच्चे को डायबिटीज है तो नियमित दवाएं और मॉनिटरिंग आवश्यक है।

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा